www.sanjanabharati.com
दिल्ली और गौतम बुद्ध नगर से प्रकाशित। हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड व उत्तराखंड में प्रसारित
facebook.com/Sanjanabharati

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

संजना भारती

RNI No. : DELHIN/2016/70240

आपका भरोसा, हमारी ताकत

2 एमएसपी घोषणा सकारात्मक पहल तो... | 3 माता-पिता की सेवा से बढ़कर कोई धर्म नहीं : बीएल वर्मा | 4 पंचकुला के आठ वर्षीय आर्यन ने 5,364 मीटर...

वर्षः 9 | अंकः 218 | दिल्ली, सोमवार, 2 जून 2025 | पृष्ठ संख्याः 4 | मूल्यः 1 रुपया

संक्षिप्त समाचार

गरीबों के लिए काम करती है आंध्र प्रदेश सरकार : मुख्यमंत्री नायडू

आंध्र प्रदेश (एजेन्सी)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने शनिवार को कहा कि तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार गरीबों के लिए काम करती है और उनके लिए सभी कार्यक्रमों को क्रियान्वित करती है, ताकि उन्हें कोई परेशानी न हो। जिले के चेयेरू में एक ग्राम सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में 64 लाख से अधिक लोगों को हर महीने की पहली तारीख को कर्मचारियों की तरह ही पेंशन मिलती है। नायडू ने कहा, यह सरकार गरीबों के लिए काम करती है। हम गरीबों को किसी भी तरह की परेशानी से बचाने के लिए सभी कार्यक्रम चला रहे हैं। उन्होंने कहा कि पेंशन वितरित करने के मामले में राजग सरकार इतिहास में एक अनोखी सरकार है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने अब तक कल्याणकारी पेंशन पर 34,000 करोड़ रुपये खर्च किए हैं।

उत्तर-पूर्वी दिल्ली में सीएनजी सिलेंडर में विस्फोट, तीन बच्चों समेत चार लोग घायल

नई दिल्ली (एजेन्सी)। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के सुंदर नगरी इलाके में शनिवार दोपहर एक गोदाम में सीएनजी सिलेंडर में विस्फोट होने के कारण तीन नाबालिग भाइयों सहित चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि विस्फोट शाम करीब साढ़े चार बजे एक भंडारण एवं मरम्मत इकाई में हुआ, जहां मरम्मत कार्य के दौरान कथित तौर पर सिलेंडर फट गया। दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) के अधिकारी ने बताया कि घायलों की पहचान तीन भाइयों साकिब (7), अब्बास (9) और राजा (3) के अलावा अरशद (22) के रूप में हुई। तीनों बच्चे अफसार नामक व्यक्ति के पुत्र हैं। उन्होंने बताया कि साकिब 90 प्रतिशत, अब्बास और राजा 85 प्रतिशत तथा अरशद 70 प्रतिशत तक झुलस गया है। अधिकारी ने बताया कि घटना के समय अरशद गोदाम के अंदर काम कर रहा था।

वोट बैंक के लिए ममता दीदी ने पतन की सीमा पार कर दी है: अमित शाह

(एजेन्सी)।
कोलकाता। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता में विजय संकल्प सम्मेलन में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर जमकर हमला बोला। शाह ने आरोप लगाया कि ममता बनर्जी मुस्लिम वोट बैंक को खुश करने के लिए ऑपरेशन सिंदूर और वक्फ संशोधन अधिनियम का 'विरोध' कर रही हैं। इसके अलावा, गृह मंत्री ने यह भी आरोप लगाया कि मुर्शिदाबाद में हाल ही में हुए दंगे 'राज्य प्रायोजित' थे।

बनर्जी पर निशाना साधते हुए अमित शाह ने कहा, 'वोट बैंक के लिए ममता दीदी ने पतन की सीमा पार कर दी है। कुछ दिन पहले, पाक-प्रेरित आतंकियों ने हमारे निर्दोष नागरिकों को धर्म पूछकर उनके परिजनों के सामने मार दिया। इन आतंकियों को सजा देने के लिए ऑपरेशन सिंदूर किया गया। पाक के अंदर घुसकर आतंकियों के हेडक्वार्टर्स को तबाह कर दिया गया। आतंकियों की मौत पर दीदी को दर्द होता है। ममता बनर्जी ने घटिया सा राजनीतिक बयान देकर ऑपरेशन सिंदूर का विरोध किया।'

शाह ने कहा कि आपने (ममता बनर्जी) ऑपरेशन सिंदूर का विरोध नहीं किया है, आपने इस देश की करोड़ों माताओं-बहनों के साथ खिलवाड़ किया है। मैं बंगाल की माताओं-बहनों से अपील करने आया हूं कि आने वाले चुनाव में ऑपरेशन सिंदूर का विरोध करने वालों को सिंदूर की कीमत समझा देना। बनर्जी ने हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा पर राजनीतिक लाभ के लिए ऑपरेशन सिंदूर-22 अप्रैल को पहलगाम आतंकवादी हमले के लिए केंद्र की सैन्य प्रतिक्रिया का फायदा उठाने की कोशिश करने का आरोप लगाया था।

अप्रैल में मुर्शिदाबाद हिंसा पर शाह ने दावा किया कि दंगों में टीएमसी के कई वरिष्ठ नेता शामिल थे। उन्होंने आरोप लगाया, 'मुर्शिदाबाद दंगे राज्य प्रायोजित थे। मुर्शिदाबाद दंगों के दौरान गृह मंत्रालय बीएसएफ की तैनाती पर जोर देता रहा, लेकिन टीएमसी सरकार ने ऐसा नहीं होने दिया, ताकि हिंसा जारी रहे।' वक्फ कानून को लेकर विरोध प्रदर्शन के दौरान मुर्शिदाबाद में हुए सांप्रदायिक दंगों में कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। गृह मंत्री ने वक्फ संशोधन अधिनियम का विरोध करने के लिए ममता बनर्जी की भी आलोचना की।

यह कहते हुए कि टीएमसी बांग्लादेश से अवैध घुसपैठ को बढ़ावा दे रही है, शाह ने कहा, 'ममता बनर्जी ने बांग्लादेशियों के लिए बंगाल की सीमाएं खोल दी हैं। वह कभी भी घुसपैठ को नहीं रोक सकती, केवल भाजपा ही ऐसा कर सकती है।' घुसपैठ को रोकने में बीएसएफ की अक्षमता की टीएमसी की आलोचना का जवाब देते हुए वरिष्ठ भाजपा नेता ने कहा कि ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली सरकार ने बीएसएफ को आवश्यक भूमि नहीं दी है। उन्होंने कहा, 'एक बार टीएमसी सरकार बीएसएफ को आवश्यक भूमि दे दे, तो हम घुसपैठ रोक देंगे।' शाह ने दावा किया, 'लेकिन बंगाल की सत्तारूढ़ पार्टी कभी भी बीएसएफ को भूमि नहीं देगी, क्योंकि वह चाहती है कि घुसपैठ जारी रहे, ताकि वह सत्ता में बनी रहे।'

राजीव कृष्ण ने यूपी के डीजीपी का कार्यभार संभाला

उत्तर प्रदेश (एजेन्सी)। भारतीय पुलिस सेवा के वरिष्ठ अधिकारी राजीव कृष्ण ने उत्तर प्रदेश के पुलिस महानिदेशक का कार्यभार संभाला। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। वह भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के 1991 बैच के अधिकारी हैं और प्रशांत कुमार की जगह लेंगे, जो 31 मई को सेवानिवृत्त हो गए हैं। राज्य के गृह विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के अनुसार, अपने पूर्ववर्ती की तरह कृष्ण भी राज्य के कार्यवाहक पुलिस महानिदेशक होंगे। कृष्ण वर्तमान में सतर्कता और उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड के महानिदेशक (डीजी) के रूप में सेवा दे रहे थे।

शिक्षा मंत्री ने जनकपुरी में 'संडे ऑन साइकिल' अभियान की शुरूआत की

संजना भारती संवाददाता
नई दिल्ली। युवा मामले और खेल मंत्रालय के अंतर्गत फिट इंडिया मिशन द्वारा विश्व साइकिल दिवस के उपलक्ष्य में 1 जून 2025 को देशभर में एक विशेष "संडेज ऑन सायकल" संस्करण का आयोजन किया गया। इस पहल का उद्देश्य साइक्लिंग को एक दैनिक फिटनेस अभ्यास तथा पर्यावरण अनुकूल परिवहन साधन के रूप में अपनाने के संदेश को और सशक्त बनाना है।

इस अभियान के अंतर्गत दिल्ली के शिक्षा मंत्री ने शिक्षा निदेशालय, दिल्ली सरकार से सहयोग से अपनी विधानसभा जनकपुरी में 'संडे ऑन साइकिल' अभियान का नेतृत्व किया। इस अभियान में सैकड़ो बच्चे, स्कूलों के छात्र, RWK के प्रतिनिधि, वरिष्ठ नागरिक और युवाओं ने साइकिल चलाकर इस अभियान को सफल बनाया।

इस अवसर पर श्री सूद ने कहा की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश में खेलों के इकोसिस्टम को सशक्त बनाने के लिए अनेक महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। उनके द्वारा शुरू की गई फिट इंडिया मूवमेंट और खेलो इंडिया मूवमेंट आज पूरे देश में लोकप्रिय हो चुकी हैं। इसी अभियान को आगे बढ़ाते हुए आज जनकपुरी क्षेत्र में संडे ऑन साइकिल कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

उन्होंने यह भी कहा की यह देखकर अत्यंत प्रसन्नता होती है कि समाज के सभी आयु वर्ग के लोग स्वास्थ्य के प्रति जागरूक होकर मोदी जी के इस अभियान को आगे बढ़ा रहे हैं। यह पहल केवल साइकिल चलाने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह फिटनेस, सामूहिक भागीदारी और एक स्वस्थ भारत के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

प्रधानमंत्री मोदी जी द्वारा शुरू किया गया यह अभियान आज एक मुहिम का रूप ले चुका है। श्री सूद ने यह भी बताया की नई दिल्ली से आरंभ हुआ फिट इंडिया साइक्लिंग ड्राइव अब एक राष्ट्रव्यापी जनांदोलन का रूप ले चुका है। अब तक 5,500 से अधिक स्थानों पर सक्रिय सहभागिता के साथ लगभग 3 लाख साइक्लिस्ट इस मुहिम से जुड़ चुके हैं। संडेज ऑन सायकल को प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा मन की बात के 117वें संस्करण में विशेष सराहना भी प्राप्त हुई है, जहाँ इस अभियान को स्वास्थ्य और समाज कल्याण को बढ़ावा देने वाला एक प्रभावी माध्यम बताया गया।

'एक भारत श्रेष्ठ भारत' पहल से भारत की एकता व अखंडता होगी मजबूतः नायब सैनी

संजना भारती संवाददाता
चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 31 अक्टूबर, 2015 को सरदार वल्लभभाई पटेल की 140वीं जयंती के अवसर पर जिस 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' पहल की शुरूआत की थी, उससे भारत की एकता एवं अखंडता और अधिक मजबूत होगी।

मुख्यमंत्री अपने आवास 'संत कबीर कुटीर' में हरियाणा में रह रहे विभिन्न राज्यों से जुड़े उनसे मिलने आए प्रबुद्ध लोगों को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर कहा कि प्रदेश में रहने वाले विभिन्न राज्यों के कर्मठ लोगों का हरियाणा के विकास में अहम योगदान है। सभी के भाईचारे और सहयोगात्मक भाव से हरियाणा निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है। उन्होंने लोगों से अनुरोध किया कि वे सभी प्रधानमंत्री के वर्ष 2047 तक विकसित भारत के सपने को पूरा करने में सहयोग करें। उन्होंने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से वर्ष 2015 में शुरू हुआ 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत अभियान' एक विचार से आगे बढ़कर, आज भारत की आत्मा को जोड़ने वाला राष्ट्रीय आंदोलन बन चुका है। उन्होंने इसे प्रधानमंत्री की 'सबका साथ सबका विकास' की सोच से प्रेरित बताया। उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री के इस अभिनव अभियान के माध्यम से विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की संस्कृति, परंपराओं और प्रथाओं के ज्ञान से राज्यों के बीच बेहतर समझ और जुड़ाव पैदा होगा, जिससे देश की एकता सुदृढ़ होगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि देश के अलग-अलग राज्य भले ही भूगोल में अलग हों, लेकिन हमारे बीच का रिश्ता इतिहास, संस्कृति, बलिदान और संघर्ष की साझी विरासत का है। सभी राज्यों की बौद्धिक समृद्धि मिलकर हमें यह संदेश देती है कि जब भारत के कोने-कोने से लोग एक साथ आएं, तो श्रेष्ठ भारत की नींव और मजबूत होती है।

श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की सोच है कि देश के किसी भी नागरिक को अपना कारोबार करने में कोई परेशानी न आए। कोरोना काल को याद करते हुए उन्होंने कहा कि जब लोगों के काम धंधे ठप्प हो गए थे तो प्रधानमंत्री ने गरीब लोगों को मुफ़्त अनाज देकर हर गरीब का पेट भरा था।

इस अवसर पर हरियाणा के लोक निर्माण मंत्री रणबीर गंगवा, मुख्यमंत्री के ओएसडी श्री भारत भूषण भारती, भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ, महामंत्री डॉ अर्चना गुप्ता, पूर्व मेयर मदन चौहान, संजय ठेकेदार भी उपस्थित थे।

शिव विहार स्थित विद्यादीप पब्लिक स्कूल में स्पोर्ट्स जीत कूने-डो समर कैंप का किया गया समापन

- बच्चों को गोल्ड, सिल्वर और ब्रॉन्ज मेडल देकर किया गया सम्मानित
- कैंप में सबसे ज्यादा बच्चों ने फाइट में दिखाई अपनी दिलचस्पी

संजना भारती संवाददाता
नई दिल्ली। उत्तर पूर्वी दिल्ली जिला के शिव विहार में स्थित विद्यादीप पब्लिक स्कूल में गत् शनिवार 31 मई को स्पोर्ट्स जीत कूने-डो समर कैंप का समापन किया गया।

समर कैंप में बच्चों को मार्शल आर्ट, योग, सेल्फ डिफेंस इत्यादि की ट्रेनिंग दी गई। इस कैंप में लगभग डेढ़ सौ बच्चों ने भाग लिया। सभी बच्चों को उनके कार्य कुशलता के अनुसार गुण सिखाए गए।

सबसे ज्यादा बच्चों ने फाइट में अपनी दिलचस्पी दिखाई। योग में भी सभी बच्चों ने अच्छा प्रदर्शन किया। सेल्फ डिफेंस में भी सभी बच्चों ने अपने-अपने हुनर का जो उन्होंने सीखा था अच्छी तरह कुशलता पूर्वक प्रदर्शन करके दिखाया। इस अवसर पर सभी बच्चों को गोल्ड, सिल्वर और ब्रॉन्ज मेडल देकर सम्मानित किया गया।

स्कूल के हेडमास्टर देवत राम सिंह ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा की बच्चों के स्वास्थ्य के लिए योग करना बहुत जरूरी है और सेल्फ डिफेंस अपनी आत्मरक्षा के लिए जरूरी है, इसे अपनी जिंदगी का एक हिस्सा बनाएं। हेडमास्टर और स्कूल के सभी योग्य अध्यापक और अध्यापिकाओं ने समर कैंप में बच्चों के साथ काफी मेहनत की तथा सभी ने बच्चों को मेडल, सर्टिफिकेट, आई कार्ड और ट्रॉफी देकर सम्मानित किया। इस समर कैंप का आयोजन स्पोर्ट्स जीत कूने डो के ग्रैंडमास्टर इंडिया राजेंद्र कुमार गिहरा के अथक प्रयासों से किया गया।

इस समर कैंप का आयोजन राकेश कुमार चितौड़ी स्पोर्ट्स जीत कूने डो ब्लैक बेल्ट सातवीं रैंक और शिवा चितौड़ी स्पोर्ट्स जीत कूने डो ब्लैक बेल्ट थर्ड रैंक की देखरेख में किया गया। अंत में स्कूल के हेडमास्टर ने सभी बच्चों को आशीर्वाद देकर समर कैंप का समापन किया।

समाज कल्याण मंत्री रविन्द्र इन्द्राज सिंह ने भाजपा प्रदेश कार्यालय में की जनसुनवाई

संजना भारती संवाददाता
नई दिल्ली। समाज कल्याण, एससी/एसटी कल्याण, चुनाव और सहकारिता मंत्री रविन्द्र इन्द्राज सिंह ने नई दिल्ली स्थित पंडित पंत मार्ग पर भाजपा प्रदेश कार्यालय में जनसुनवाई की।

इस जनसुनवाई में आए लोगों ने अपनी समस्याएं, मांगें और सुझाव प्रस्तुत किए। कैबिनेट मंत्री ने समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए संबंधित विभागों को आवश्यक निर्देश दिए। श्री इन्द्राज ने कहा कि जनसमस्याओं का समयबद्ध निस्तारण ही जनसेवा का मूल उद्देश्य है। सरकार जनसहभागिता और पारदर्शिता के सिद्धांतों पर चलते हुए समाज के प्रत्येक वर्ग के कल्याण हेतु प्रतिबद्ध है।

श्री रविन्द्र इन्द्राज ने अधिकारियों को यह भी निर्देशित किया कि जनसुनवाई में प्राप्त शिकायतों पर प्राथमिकता से कार्यवाही सुनिश्चित की जाए और इसकी नियमित रिपोर्टिंग की जाए, जिससे जनविश्वास और शासन की कार्यप्रणाली में पारदर्शिता बनी रहे। समाज कल्याण मंत्री ने जनसुनवाई के दौरान आए हुए लोगों से संवाद करते हुए सरकार की पेंशन और छात्रवृत्ति से जुड़ी विभिन्न योजनाओं और आगामी पहलों की जानकारी साझा की। उन्होंने कहा की यह जनसुनवाई सामाजिक न्याय और समावेशी विकास की दिशा में सरकार के निरंतर प्रयासों की दिशा में है।

सम्पादकीय

देश की विदेश नीति

पाकिस्तान के लिए यह आखिरी मौका है। अपने आतंकवादी प्रशिक्षण केन्द्रों को बंद कर दे। इन्हें प्रोत्साहित करने वाली धार्मिक शक्तियों को नियंत्रित करे। और अपनी जनता की वास्तविक समस्याओं मार्डन एजुकेशन, रोजगार और आर्थिक विकास पर ध्यान दे। अगर वह यह सोचता है कि इस बार उसे पहले के मुकाबले ज्यादा अन्तरराष्ट्रीय समर्थन मिल गया तो यह उसकी बड़ी भूल है। खुशफहमी है। हमारी विदेश नीति की कुछ बड़ी गलतियों की वजह से हम वह समर्थन नहीं जुटा पाए जो 75 साल से हमें मिलता रहा था। लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि वह हमें फिर हासिल नहीं होगा। भारत अपनी गलतियों से बहुत जल्दी सबक सीखने वाला देश है। अभी सबने देखा कि हमारे चीफ आफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने माना कि हमसे गलती हुई और हमने उससे तत्काल सबक सीखा और अंदर तक जाकर पाकिस्तान के आतंकवादी ठिकानों को नष्ट किया। यह दूसरी बार है जब सेना ने यह कहा है हमने सीखा। इससे पहले 7 मई की रात को पाकिस्तान के आतंकवादी ठिकानों को नष्ट कर देने के बाद सेना ने यह वाक्य पहली बार बोला था। मुद्दा वास्तव में यह नहीं है कि हमारे कितने जहाजों को नुकसान हुआ। सेना के जनरल बिल्कुल सही कह रहे हैं कि मुद्दा यह है कि क्यों हुआ? और हमने इससे क्या सीखा? ओवर ऑल हम हावी रहे। हम मतलब हमारी सेना। पाकिस्तान स्थित आतंकवादी ठिकानों को बुरी तरह नुकसान पहुंचाया और क्लीयर मैसेज दिया कि पूर्ण युद्ध चाहती नहीं थी नहीं तो और ज्यादा नुकसान भी पहुंचा सकती थी। पाकिस्तान यह बात जानता है। वहां की सेना भी जानती है। वह अलग बात है कि अपने यहां की जनता को बेवकूफ बनाने के लिए वहां के शासक अपनी सैन्य शक्ति को बढ़ा-चढ़ा कर पेश करते हैं। सेना भी जानती है कि उसकी वास्तविक क्षमता कितनी है। मगर वह पाकिस्तान के शासकों में अपना महत्व बनाए रखने के लिए जबर्दस्ती बांहें चढ़ाती रहती है। भारत की विशाल, मजबूत, प्रोफेशनल सेना का मुकाबला करना उसके लिए संभव नहीं है। इस बार चीन ने उसकी खुलकर मदद की। यही वह पेंच है जिसे समझना सबसे ज्यादा जरूरी है। चीन ने सैनिक मामले में जो उसकी मदद की जिसकी वजह से हमें कुछ नुकसान भी हुआ। उसी को लेकर सवाल पूछे जा रहे हैं कि कितने जहाज गिरे। तो वह मामला तो सेना ने संभाल लिया। मगर चीन जैसे कई देशों ने जो अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर भारत के खिलाफ माहौल बनाया वह सबसे खतरनाक है। कभी दुनिया के 120 से ज्यादा देशों का नेतृत्व हम करते थे। मगर उस नेहरू जिसने इन देशों का संगठन बनाया था कि आलोचना में ही हमारे प्रधानमंत्री ने 11 साल निकाल दिए। दुनिया में सबसे ज्यादा देशो का संगठन संयुक्त राष्ट्र। उसके बाद सबसे सबसे ज्यादा देश किस संगठन के सदस्य थे? गुटनिरपेक्ष आन्दोलन। 120 सदस्य देश। और आज स्थिति क्या हुई। एक देश हमारे साथ नहीं। वह रूस जो हमारा सबसे विश्वसनीय दोस्त था वह भी हमारे साथ नहीं। पूछिए क्यों? अभी जब रूस-युक्रेन युद्ध शुरू हुआ तो हमारे मीडिया को कहां भेजा गया था? हर न्यूज चैनल की टीम। बड़े-बड़े एंकर। हेलमेट लगाकर सड़क पर नाटक कर रहे थे यह बम यहां गिरा? यह राकेट मेरे बगल से निकला! किसके बम थे वह? किसके राकेटो के खिलाफ बोल रहे थे? उसी रूस के जिसने उसका बदला अब लिया। किस देश में गए थे युद्ध देखने? युक्रेन में। कौन ले गया था? युक्रेन। किसकी मर्जी से मोदी सरकार की मर्जी से। अब परिणाम आप देख ही रहे हैं। भारत की विदेश सेवा में एक से एक अन्तरराष्ट्रीय समझ वाले अफसर हैं। मगर जब सेना तक को बता दिया जाता है कि कब कैसे स्ट्राइक करने जाना है।

बाल गीत

पीत वस्त्र धारण कर आया देखो रसीला आम.
सेहत को अच्छा लगता है नेकी इसका काम.
औरों की सेवा करना ही परोपकार है लक्ष्य.
मानव जीवन की सीख है बनेगा सबका लक्ष्य.
फुलवारी की शोभा है ये साथ में लीची पेड़.
देख के मुँह से पानी टपकता लगती नहीं है देर.
रस चूस कर बच्चे इसके होते रहते लोट पोट.
देता देव आम बच्चों को चूस लो अपने होंठ.

-देवनीति
(बेगूसराय)

जयंती

बाबूलाल गौर

जन्म-2 जून, 1930, उत्तर प्रदेश, मृत्यु-21 अगस्त 2019) 'भारतीय मजदूर संघ' के संस्थापक सदस्य हैं। वे मध्य प्रदेश के भूतपूर्व मुख्यमंत्री हैं, जिनका प्रदेश की राजनीति में प्रमुख स्थान रहा है। बाबूलाल गौर सन 1946 से ही 'राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ' से जुड़ गए थे। उन्होंने दिल्ली तथा पंजाब आदि राज्यों में आयोजित सत्याग्रहों में भी भाग लिया था। श्री गौर आपात काल के दौरान 19 माह की जेल भी काट चुके हैं। 1974 में मध्य प्रदेश शासन द्वारा बाबूलाल गौर को 'गोवा मुक्ति आन्दोलन' में शामिल होने के कारण 'स्वतंत्रता संग्राम सेनानी' का सम्मान प्रदान किया गया था। उन्हें मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के मंत्रिमंडल में 'नगरीय प्रशासन एवं विकास', 'भोपाल गैस त्रासदी, राहत एवं पुनर्वास' विभाग का मंत्री बनाया गया है।

पुण्यतिथि

राज कपूर

जन्म-14 दिसंबर, 1924, पेशावर, पाकिस्तान; मृत्यु-2 जून, 1988, नई दिल्ली), हिन्दी फिल्म अभिनेता, निर्माता व निर्देशक थे। राज कपूर भारत, मध्य-पूर्व, तत्कालीन सोवियत संघ और चीन में भी अत्यधिक लोकप्रिय हैं। राज कपूर को अभिनय विरासत में ही मिला था। इनके पिता पृथ्वीराज अपने समय के मशहूर रंगकर्मी और फि ल्म अभिनेता हुए हैं। राज कपूर के पिता पृथ्वीराज कपूर ने अपने पृथ्वी थियेटर के जरिए पूरे देश का दौरा किया। राज कपूर भी उनके साथ जाते थे और रंगमंच पर काम भी करते थे। पृथ्वीराज कपूर और राज कपूर दोनों को दादा साहब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है। राज कपूर हिन्दी सिनेमा जगत का वह नाम है, जो पिछले आठ दशकों से फि ल्मी आकाश पर जगमगा रहा है और आने वाले कई दशकों तक भुलाया नहीं जा सकेगा। राज कपूर की फि ल्मों की पहचान उनकी आँखों का भोलापन ही रहा है।

कल मिलेंगे

तेज बारिश में आधी रात को टिंकू पिज्जा लेने गया.
दुकानदार-आप शादीशुदा हो?
टिंकू गुस्से में बोला-ऐसे तूफान में कौन मां अपने बेटे को पिज्जा लेने भेजेगी...

संजना भारती दैनिक

भगवान शंकर जी के 11वें रुद्रावतार हनुमान जी (मेंहदीपुर, श्री बाला जी) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में श्रद्धापूर्वक समर्पित है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक-**संजय कुमार** द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-41, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित तथा ए-281सी, गली नं. 3, ए-ब्लॉक, अम्बिका विहार, शिव विहार, दिल्ली-110094 से प्रकाशित। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी।

RNI No. : DELHIN/2016/70240

Phone No.: 9871221635

E-mail ID: sanjanabharati16@gmail.com

(किसी भी वाद-विवाद में न्याय क्षेत्र दिल्ली ही होगा।)

एमएसपी घोषणा सकारात्मक पहल तो चाकचोबंद खरीद व्यवस्था भी जरुरी

किसान आंदोलनों के दौरान सबसे अहम मुद्दा एमएसपी को लेकर ही रहता आया है। सरकार एक और एमएसपी दरों में बढ़ोतरी और एमएसपी पर खरीद का दावा कर रही है और यह दावा एक हद तक सही भी है पर दूसरी और किसान नेताओं का यह कहना रहा है कि सरकार एमएसपी दरों की घोषणा के साथ ही एमएसपी पर खरीद की व्यवस्था भी सुनिश्चित करें

-डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

केन्द्र सरकार द्वारा खरीफ फसलों की न्यूनतम समर्थन मूल्य की घोषणा खरीफ की बुवाई से पहले ही करने को किसानों के हित में सकारात्मक पहल के रुप में देखा जाना चाहिए। इसमें कोई दो राय नहीं कि नरेन्द्र मोदी सरकार द्वारा एक तो समय पूर्व समर्थन मूल्यों की घोषणा की जा रही है वहीं दूसरी और भविष्य की रणनीति के तहत आवश्यकतानुसार उत्पादन बढाने के लिए किसानों को प्रोत्साहित करने की दिशा में भी कदम बढ़ाये जा रहे हैं। सरकार द्वारा श्री अन्न को जहां अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाने का सफल प्रयास किया गया है वहीं देश को दलहन और तिलहन के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में भी सार्थक प्रयास किये जा रहे हैं। 2027 तक दलहन के क्षेत्र में देश को आत्मनिर्भर बनाने के लक्ष्य के साथ सरकार आगे बढ़ रही है तो तिलहन के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय प्रयास किये जा रहे हैं। सरकार की गंभीरता को इसी से समझा जा सकता है कि आगामी खरीफ के लिए घोषित न्यूनतम समर्थन मूल्यों में रामतिल के भावों में सर्वाधिक 820 रु. की बढ़ोतरी करते हुए 9537 रु. प्रति क्विंटल एूमएसपी घोषित की गई है। इसी तरह से तिल की एमएसपी में 579 रु., सोयाबीन में 436 रु., सूरजमुखी में 441 रु. और मूंगफली की एमएसपी में 480 रु. की बढ़ोतरी की गई है। ठीक इसी तरह से उड़द में 400 रु. तो मूंग की एमएसपी में 86 रु. और अरहर की एमएसपी में 450 रु. की बढ़ोतरी की गई है। इसी तरह से बाजरा, रागी, ज्वार, कपास, धान आदि अन्य खरीफ फसलों की एमएसपी दरों में बढ़ोतरी की गई है। इसमें कोई दो राय नहीं कि जहां तक एमएसपी दरों की घोषणा की बात है सरकार की ईच्छा शक्ति पर किसी तरह का संदेह नहीं किया जा सकता है। मोदी सरकार के 2013-14 से 2025-26 तक के कार्यकाल की एमएसपी दरों में बढ़ोतरी निश्चित रुप से सकारात्मक दिषा में बढ़ता कदम माना जा सकता है। 2013-14 की तुलना में 226 प्रतिशत की बढ़ोतरी रागी के समर्थन मूल्य में की गई है। बाजरा में 122 प्रतिशत तो ज्वार की एमएसपी में 147 प्रतिशत तक की बढोतरी हो चुकी है। दलहन और तिलहन की खरीफ फसलों में भी 82 प्रतिशत से रामतिल में 172 प्रतिशत तक की वृद्धि हुई है। सरकार का यह भी दावा है कि एमएसपी घोषणा करने से पहले सरकार ने फसलों की लागत के सभी पहलुओं को ध्यान में रखा है और लागत से कहीं अधिक एमएसपी दर जारी की गई है।

किसान आंदोलनों के दौरान सबसे अहम मुद्दा एमएसपी को लेकर ही रहता आया है। सरकार एक और एमएसपी दरों में बढ़ोतरी और एमएसपी पर खरीद का दावा कर रही है और यह दावा एक हद तक सही भी है पर दूसरी और किसान नेताओं का यह कहना रहा है कि सरकार एमएसपी दरों की घोषणा के साथ ही एमएसपी पर खरीद की व्यवस्था भी सुनिश्चित करें। केन्द्र सरकार की और से एफसीआई और नेफैड एमएसपी खरीद के लिए नोडल संस्था है तो कपास की खरीद सीसीआई द्वारा की जाती है। राज्यों में एफसीआई व नेफैड के लिए खरीद सुविधा में राज्यों की सहकारी विपणन संस्थाएं प्रमुखता से सहभागी रहती है। खरीद की व्यवस्था को भी पारदर्शी और ऑनलाईन कर दिया गया है और रजिस्ट्रेशन से लेकर सीधे खातों में भुगतान तक की व्यवस्था ऑनलाईन की गई है। पर कहीं ना कही व्यवस्था में झोल अवश्य है। इसको यों समझा जा सकता है कि एक समय था तब सरकारी खरीद शुरू होने की घोषणा और लगभग 10 से 15 प्रतिशत उत्पादन की खरीद होते होते मण्डियों में भाव एमएसपी के आसपास आ जाते थे। इसका परिणाम यह होता था कि ना तो किसानों की नाराजगी रहती थी और ना ही अन्य कोई समस्या आती थी। पर आज खरीद व्यवस्था के पारदर्शी होने के बावजूद किसान अपने आप को ठगा महसूस करता है। इसका एक बड़ा कारण तो यह है कि बाजरा आदि की खरीद तो सरकार द्वारा किसी ना किसी बहाने टाली ही जाती है क्योंकि बाजरे की खरीद के बाद रखरखाव को लेकर संकट रहता है और सरकार का मानना है कि उसे नुकसान अधिक होता है क्योंकि खरीदा हुआ बाजरा जल्दी खराब हो जाता है। वहीं दूसरी और व्यवस्था को लाख पारदर्शी और जबावदेह बनाने के बावजूद बिचौलियें इस व्यवस्था का भरपूर लाभ उठाते देखे जा रहे हैं। कहीं कहीं तो खरीद केन्द्रों पर जितनी मात्रा में खरीद हो रही है वह उस क्षेत्र में उत्पादित पैदावार से भी अधिक हो जाती है। इसके साथ ही किसानों की तात्कालीक आवश्यकताओं के चलते आड़तियों पर निर्भरता के कारण भी किसान का लाभ आड़तियां ले जाता है। हांलाकि यह व्यवस्था का ही दोष माना जा सकता है। होना तो यह चाहिए कि जिन फसलों के समर्थन मूल्य की घोषणा सरकार द्वारा की जाती है उन फसलों के तैयार होकर मण्डियों में आने से पहले ही सरकार को खरीद की आवश्यक तैयारियां पूरी कर लेनी चाहिए। खरीद के लिए खरीद केन्द्र की स्थापना, तुलाई ढुलाई की व्यवस्था, बारदाना, ट्रांसपोर्टेशन, भण्डारण, भुगतान की आवश्यक व्यवस्था, बैंकों से भुगतान आदि की व्यवस्था, खरीद केन्द्रों पर पीने के लिए पानी आदि की व्यवस्था सहित आवश्यक सभी तैयारियां सुनिश्चित हो जानी चाहिए। इसके साथ ही आज सरकार के पास उत्पादन के सारे डेटा उपलब्ध होते हैं ऐसे में संभावित खरीद का आकलन भी सुनिश्चित हो जाना चाहिए। सरकार द्वारा पूर्व में ही यह घोषणा कि इतनी मात्रा में ही खरीद की जाएगी तो इससे राजनीति के अधिक अवसर उत्पन्न हो जाते हैं और अनावश्यक भ्रम के हालात बन जाते हैं। ऐसे हालात से बचा जाना जरुरी हो जाता है। न्यूनतम समर्थन मूल्य को लेकर सरकार को खरीफ श्री अन्न खासतौर से बाजरा आदि की खरीद की भी स्पष्ट नीति बनानी होगी अन्यथा श्री अन्न खासतौर से बाजरा को हम अंतरराष्ट्रीय प्लेटफार्म दिला रहे हैं वह जल्दी ही प्रभावित हो सकती है। सरकार को कोई ना कोई ऐसी स्पष्ट रणनीति बनानी होगी जिससे बाजरा उत्पादक किसान एमएसपी दर घोषित होने के बावजूद अपने आपकों ठगा महसूस ना कर सके। इसके लिए बाजार ताकतों को भी सक्रिय करना होगा ताकि बाजार में श्रीअन्न बाजरा आदि की मांग बढ़े और सरकारी खरीद ना होने की स्थिति में भी एमएसपी दर तो कम से कम उत्पादक किसान को बाजार में मिल सके। इसके लिए सरकार को इच्छाशक्ति के साथ आगे आना होगा। अब श्रीअन्न को प्रोत्साहित करने का हमारा दायित्व भी हो जाता है ऐसे में इस और अधिक गंभीरता से ध्यान देना होगा क्योंकि अभी तो बुवाई से फसल पकने तक का तीन से चार माह का समय सरकार के पास होगा। इस क्षेत्र में काम कर रहे गैर सरकारी संगठनों को भी ठोस प्रयास करने होंगे ताकि इस समस्या का समाधान खोजा जा सके और अन्नदाता को उसकी मेहनत का पूरा पैसा मिल सके। देर सबेर सरकार को खरीद को सीमा में बांधने के स्थान पर स्थाई हल खोजना होगा ताकि एमएसपी व्यवस्था और अधिक किसान हितेषी हो सकें।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

नक्सलवाद पर लगाम की ओर बढ़ते कदम

मोदी सरकार की नजर में माओवादी हिंसा आंतरिक सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा थी। वैसे मोदी सरकार को पता था कि नक्सलियों पर ऐसी कार्रवाई का एक बड़ा बौद्धिक वर्ग विरोध करेगा। इसलिए नक्सली हिंसा पर लगाम के लिए दोतरफा कार्रवाई शुरू की। एक तरफ नक्सलियों के खिलाफ कार्रवाई के लिए सुरक्षा बलों के बीच तालमेल बढ़ाने और नक्सल विरोधी खुफिया तंत्र को मजबूत बनाने पर जोर दिया गया

-उमेश चतुर्वेदी

नक्सलवाद के खिलाफ सुरक्षा बलों के संघर्ष में बीती 21 मई को नया इतिहास रचा गया। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले के अबूझमाड़ के जंगल में सुरक्षा बलों ने सीपीआई (माओवादी) के महासचिव और सर्वोच्च कमांडर नंबाला केशव राव उर्फ बासवराजू को मार गिराया। उसके साथ 26 और नक्सली मारे गए। इसके कुछ दिन बाद झारखंड में भी तीन नक्सली मारे गए। केंद्र सरकार ने मार्च 2026 के अंत तक नक्सलवाद के देश से सफाये का लक्ष्य रखा है। नक्सलियों के खिलाफ सुरक्षा बलों के लगातार कसते शिकंजे का संकेत भी कुछ ऐसा ही है।

नक्सलवाद के उभार के बाद से यह पहला मौका है, जब कोई सर्वोच्च नक्सली कमांडर और महासचिव स्तर का व्यक्ति मारा गया हो। गृहमंत्री अमित शाह ने इसे अपने बयान में रेखांकित भी किया। इस घटना के तुरंत बाद एक बयान में अमित शाह ने इस मुठभेड़ को नक्सलवाद खत्म करने की लड़ाई में ऐतिहासिक उपलब्धि बताने में हिचक नहीं दिखाई। उन्होंने कहा कि नक्सलवाद के खिलाफ तीन दशकों की लड़ाई में महासचिव स्तर के नेता को हमारे सुरक्षा बलों ने मार गिराया है। केशव राव उर्फ बासवराजू को जिस ऑपरेशन के जरिए केंद्रीय रिजर्व पुलिस औ छत्तीसगढ़ पुलिस ने मार गिराया, उसे सुरक्षा बलों ने ऑपरेशन ब्लैक फॉरेस्ट नाम दिया है। छत्तीसगढ़, तेलंगाना और महाराष्ट्र तक फैले जंगलों में जारी इस ऑपरेशन के तहत जहां 54 नक्सली गिरफ्तार किए जा चुके हैं, वहीं 84 नक्सलियों ने समर्पण किया है। जिस तरह धड़ाधड़ सफल मुठभेड़ हो रही है, नक्सली समर्पण कर रहे हैं या फिर गिरफ्तार किए जा रहे हैं, उससे अमित शाह का उम्मीद रखना बेमानी भी नहीं है।

मोदी सरकार ने साल 2014 में जब सत्ता संभाली थी, तब देश के 70 जिलों में नक्सलवाद का बड़ा असर था। भारतीय जनता पार्टी ने साल 2014 के चुनाव घोषणा पत्र में नक्सलवाद पर लगाम को अपने प्रमुख कार्यक्रम में शामिल किया था। इसके एक साल पहले ही 25 मई 2013 को छत्तीसगढ़ की झीरम घाटी में राज्य कांग्रेस के तकरीबन समूचे नेतृत्व को नक्सलियों ने निशाना बना दिया था। उससे उपजा क्षोभ ताजा था। वैसे भी सैद्धांतिक रूप से भारतीय जनता पार्टी माओवादी हिंसा के खिलाफ कठोर कार्रवाई की हमेशा से पक्षधर रही है। कह सकते हैं कि इसी वजह से साल 2014 के चुनाव घोषणा पत्र में नक्सलवाद पर लगाम को पार्टी ने अपना प्रमुख कार्यक्रम घोषित कर रखा था।

गौर से देखेंगे तो पाएंगे कि नक्सलवाद का प्रभाव उन इलाकों में ज्यादा तेजी से बढ़ा, जहां जंगल थे, जहां आदिवासी समुदाय का निवास ज्यादा था, जहां शिक्षा का प्रसार कम था। यह सच है कि आधुनिक सभ्यता की सहयोगी आधुनिक व्यवस्था की निगाह जल-जंगल आदि प्राकृतिक संसाधनों के जरिए मुनाफाखोरी पर रही है। इस वैचारिकी का स्थानीय लोगों में प्रचार के जरिए नक्सलवाद ने अपनी गहरी पैठ बनाई। नक्सलवाद बुनियादी रूप से आधुनिक चीन के संस्थापक माओत्से तुंग की विचारधारा से प्रेरित है। जिनकी मान्यता थी कि सत्ता बारूद से निकलती है। नक्सलवाद या माओवादी सोच के मूल में हिंसा की अवधारणा है। जिसके अनुसार बदलाव भी हिंसा के जरिए ही आता है। वैचारिकी तक अगर माओवाद सीमित रहता तो गनीमत थी। लेकिन माओवादी कमांडरों ने बाद में अपने प्रभाव वाले इलाकों में अपनी ताकत का इस्तेमाल वसूली और मोटी कमाई के लिए करना शुरू कर दिया। तब से उनके प्रति समर्थन घटने लगा। नक्सली अपने प्रभाव क्षेत्र में अक्सर विकास के आधुनिक माध्यमों और प्रतीकों मसलन रेलवे लाइन, स्टेशन, डाकघर, स्कूल आदि को निशाना बनाते रहे। धीरे-धीरे उनके इस कृत्य को स्थानीय निवासी विकास विरोधी मानने लगे। जैसे-जैसे स्थानीय लोगों की यह समझ बढ़ी, नक्सलियों का समर्थक आधार कमजोर होता गया। उनके समर्थक आधार को कमजोर करने में उनके द्वारा व्यापक स्तर पर किए गए नरसंहारों ने भी बड़ी भूमिका निभाई। झीरम घाटी के नक्सली हमले में जहां तीस से ज्यादा लोग मारे गए थे, 6 अप्रैल 2010 को छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले के ताड़मेटला के जंगलों में नक्सलियों ने घात लगाकर केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के 75 और जिला बल के एक जवान को बारूदी सुरंग में उड़ा दिया था। इन हत्याओं के बाद नक्सली हिंसा को लेकर सवाल उठने लगा। नक्सलियों के समर्थक बौद्धिक तबके के लिए उनके बचाव में बोलना आसान नहीं रह गया। ताड़मेटला कांड के बाद तो उनके खिलाफ वायुसेना की कार्रवाई की मांग उठी थी, तब नक्सलियों के बौद्धिक समर्थकों ने इसका विरोध किया था। इस विरोध के चलते तत्कालीन मनमोहन सरकार ने नक्सली हिंसा को काबू करने के लिए सैनिक कार्रवाई को टाल दिया था।

मोदी सरकार की नजर में माओवादी हिंसा आंतरिक सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा थी। वैसे मोदी सरकार को पता था कि नक्सलियों पर ऐसी कार्रवाई का एक बड़ा बौद्धिक वर्ग विरोध करेगा। इसलिए नक्सली हिंसा पर लगाम के लिए दोतरफा कार्रवाई शुरू की। एक तरफ नक्सलियों के खिलाफ कार्रवाई के लिए सुरक्षा बलों के बीच तालमेल बढ़ाने और नक्सल विरोधी खुफिया तंत्र को मजबूत बनाने पर जोर दिया गया। वहीं दूसरी तरफ समावेशी विकास का पहिया तेजी से दौड़ाने की कोशिश की गई। इसमें सामुदायिक भागीदारी को भी बढ़ावा दिया गया। इस रणनीति के जरिए माओवादी आंदोलन को सुनियोजित तरीके से कमजोर करने में कामयाबी मिली। इससे माओवादियों के हाथों होने वाली हिंसा में कमी आई। लोगों में भय का माहौल कम हुआ। इसके साथ ही माओवादी उग्रवाद से प्रभावित कई जिलों को मुख्यधारा में शामिल करने में तेजी आई। इसकी वजह से स्थानीय निवासी नक्सलवाद दूरवर्ती इलाकों एवं जनजातीय गांवों के विकास में सबसे बड़ी बाधा के रूप में देखने लगे। उन्हें यह भरोसा होने लगा कि माओवादी हिंसा और सोच शिक्षा, स्वास्थ्य, संचार, बैंकिंग और डाक सेवाओं को उनके गांवों तक पहुंचने से रोकती है। नक्सलियों के समर्पण और उसके बाद उनके पुनर्वास पर जोर दिया गया। उन्हें हिंसा छोड़ने के बाद मुख्यधारा में शामिल होने और सामान्य जिंदगी बिताने के लिए सरकारी स्तर पर मदद दी जाने लगी। इसके साथ ही भारत सरकार की ओर से बुनियादी ढांचे की कमी दूर करने के लिए नक्सल प्रभावित जिलों के लिए विशेष योजना के तहत विशेष केन्द्रीय सहायता दी जा रही है। इसके तहत नक्सलवाद से सबसे अधिक प्रभावित और चिंतित करने वाले जिलों को 30 और 10 करोड़ रुपये की मदद दी जा रही है। इसके अलावा, जरूरत के मुताबिक, इन जिलों के लिए विशेष परियोजनाएं भी दी जा रही हैं। इसकी वजह से पिछले 10 वर्षों के दौरान, 8,000 से अधिक नक्सलियों ने हिंसा का रास्ता छोड़ दिया है। इसका असर यह होगा कि माओवादियों के खिलाफ उनकी कार्रवाई कहीं ज्यादा सटीक होगी। इसका असर भी अब दिखने लगा है। अब जहां खूंखार नक्सली या तो मारे जा रहे हैं या फिर समर्पण कर रहे हैं, वहीं जनजातीय इलाकों में नई सड़कें और रेल लाइनें बनाई जा रही हैं। छत्तीसगढ़ 'खरसिया-नया रायपुर-परमलकसा मार्ग से बलौदा बाजार जैसे नए क्षेत्रों को सीधा रेल संपर्क मिलने जा रहा है। इस इलाके में 278 किलोमीटर नई रेल लाइन बिछाई जा रही है।

माओवाद विरोधी कार्रवाई की कमान संभालने वाले केंद्रीय बलों के अधिकारियों का मानना है कि मौजूदा सरकार ने उनके लिए मुफीद माहौल मुहैया कराया है। छत्तीसगढ़ में जब भूपेश बघेल की सरकार की हार के बाद सुरक्षा बलों के कुछ अधिकारियों का मानना था कि नई सरकार की नीति बदलेगी। इसकी वजह से स्थानीय पुलिस और प्रशासन माओवादी हिंसा के खिलाफ उनके कदमों के प्रति सहयोगी रूख रखेगा। नक्सलवाद पर नकेल के उपायों का असर ही कहा जाएगा कि साल 2014 में जहां नक्सल प्रभावित जिलों की संख्या 70 थी, जो अब घटकर 38 रह गई है।

नक्सलवाद खत्म हो, विकास की गाड़ी दौड़ती रहे और जनजातीय समूह के लोगों को भी विकास में भागीदार बनाया जाए, इससे शायद ही किसी को इनकार होगा। लेकिन साथ ही व्यवस्था को यह भी देखना होगा कि फिर ऐसे हालात न बनें, जिससे स्थानीय निवासियों को बरगलाना आसान हो और वे हथियार उठाने के लिए मजबूर हों।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार और राजनीतिक समीक्षक हैं..

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

खेल/विदेश/कारोबार/फिल्म

एक बटन दबाते ही 40 लड़ाकू विमान, 4 एयरबेस तबाह

(एजेन्सी)।
3 साल से लंबे वक्त से चले आ रहे हैं रूस-यूक्रेन जंग को रोकने के लिए ट्रंप लगातार प्रयासरत नजर आ रहे हैं। लेकिन पुतिन के तेवर और जेलेन्स्की के पलटवार को देखते हुए ऐसा लगता है कि रूस और यूक्रेन दोनों ही मुल्क युद्ध विराम को लेकर अभी कोई फैसले पर नहीं पहुंचने वाले हैं। अपने सैन्य अभियान को महत्वपूर्ण रूप से आगे बढ़ाते हुए, यूक्रेन ने पाँच प्रमुख रूसी एयरबेसों पर बड़े पैमाने पर ड्रोन हमले किए हैं। यूक्रेनी हमले में रूस को काफी नुकसान पहुंचा है। बताया जा रहा है कि इस अटैक में 40 से अधिक रूसी विमान नष्ट हो गए हैं। ये हमले, मरमंस्क, इरकुत्स्क, इवानोवो, रियाजान और अमूर क्षेत्रों में सैन्य हवाई अड्डों को निशाना बनाया गया। ये रूसी क्षेत्र के अंदर सबसे महत्वाकांक्षी यूक्रेनी हमलों में से एक है।

रूसी रक्षा मंत्रालय ने रविवार को पुष्टि की कि रूस के पांच एयरबेस पर कई ड्रोन हमले हुए, जिसमें कई विमान क्षतिग्रस्त हो गए। यूक्रेन की सुरक्षा सेवा ने दावा किया कि ड्रोन हमले 11 महीनों से योजनाबद्ध ऑपरेशन का हिस्सा थे, और कम से कम 40 रूसी विमान नष्ट हो गए, जिनमें TU-95 और TU-22 रणनीतिक बमवर्षक शामिल हैं, जो परमाणु पेलोड ले जाने में सक्षम हैं। रूस के रक्षा मंत्रालय की ओर से जारी बयान में कहा गया है, ये हमले एफपीवी (फर्स्ट-पर्सन व्यू) ड्रोन का इस्तेमाल करके किए गए।" बयान में कहा गया कि ड्रोन हमलों के परिणामस्वरूप कई विमानों में आग लग गई, लेकिन आग बुझा दी गई। नागरिकों या सैन्य कर्मियों में से किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

रूसी रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि आज, कीव शासन ने मरमंस्क, इरकुत्स्क, इवानोवो, रियाजान और अमूर में स्थित हवाई क्षेत्रों पर एफपीवी ड्रोन का उपयोग करके एक आतंकी हमला किया। इवानोवो, रियाजान और अमूर में सैन्य हवाई क्षेत्रों पर हुए सभी आतंकवादी हमलों को विफल कर दिया गया। रूसी रक्षा मंत्रालय ने कहा कि मरमंस्क और इरकुत्स्क क्षेत्रों में सैन्य हवाई अड्डों के नजदीकी इलाकों से एफपीवी ड्रोन छोड़े जाने के परिणामस्वरूप कई विमानों में आग लग गई। हालांकि आग बुझा दी गई है। यह अनुमान जताया जा रहा कि यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की कल इस्तांबुल में होने वाली दूसरे दौर की शांति वार्ता से पहले मॉस्को पर दबाव बनाना चाहते हैं। रूसी अधिकारी व्लादिमीर मेदिन्स्की के नेतृत्व में रूस का एक प्रतिनिधिमंडल सोमवार की वार्ता के लिए पहले ही तुर्किये पहुंच चुका है। हालांकि, विशेषज्ञों का मानना है कि यूक्रेन में तत्काल युद्ध विराम की उम्मीद कम ही है।

जो रूट इंग्लैंड के लिए वनडे में बने सबसे सफल बल्लेबाज बने

(एजेन्सी)।
कार्डिफ में इंग्लैंड और वेस्टइंडीज के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज का दूसरा मुकाबला खेला जा रहा है। इस मैच में वेस्टइंडीज के द्वारा दिए गए 309 के टारगेट का पीछा करते हुए इंग्लैंड की टीम मुश्किल में नजर आ रही है, क्योंकि उसने 100 रनों के अंदर ही अपने 4 विकेट गंवा दिए। हालांकि, अनुभवी बल्लेबाज जो रूट एक छोर पर जमे हुए हैं और अर्धशतक बना चुके हैं। अपनी पारी के दौरान रुट ने एक बड़ा रिकॉर्ड भी बना दिया और अब वह इंग्लैंड के लिए वनडे क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। अभी तक ये उपलब्धि इयोन मोर्गन के नाम दर्ज थी लेकिन अब रूट ने उन्हें पीछे छोड़ दिया है। जो रुट को इंग्लैंड का सबसे सफल बल्लेबाज बनने के लिए वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे वनडे में 31 रन बनाने की जरूरत थी और उन्होंने ऐसा आसानी से कर दिया। इयोन मोर्गन ने इंग्लैंड के लिए 225 वनडे की 207 पारियों में 39.75 की औसत से 6957 रन बनाए थे। वहीं रुट ने अपने वनडे करियर 179वें मैच की 168वीं पारी में मोर्गन को पीछे छोड़ दिया है। इस दौरान रुट का औसत 48.31 का रहा है। बता दें कि, जो रुट को 2023 वनडे वर्ल्ड कप के बाद 50 ओवरों के फॉर्मेट से इंग्लैंड ने ड्रॉप कर दिया था और उन्हें काफी समय तक बाहर रहना पड़ा। हालांकि, चैंपियंस ट्रॉफी को देखते हुए रुट की वापसी हुई और उन्हें साल की शुरूआत में भारत के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए चुना गया। इसके बाद दाएं हाथ के बल्लेबाज को चैंपियंस ट्रॉफी में भी मौका मिला। वहीं अब वेस्टइंडीज के खिलाफ भी चयनकर्ताओं ने इस अनुभवी बल्लेबाज पर भरोसा जताया है।

भारत ने एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप में जीते 24 पदक

(एजेन्सी)।
भारत ने 26वीं एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप में एक नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड, कई व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन और अंतिम दिन छह पदकों के साथ कुल 24 पदकों के साथ अपना अभियान खत्म किया। भारतीय खिलाड़ी प्रतियोगिता के आखिरी दिन शनिवार को स्वर्ण पदक जीतने में नाकाम रहे लेकिन उन्होंने शानदार प्रदर्शन से तीन रजत और इतने ही कांस्य पदक हासिल किए। पारुल चौधरी ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए दूसरा रजत पदक जीता और भाला फेंक खिलाड़ी सचिन यादव भी दूसरे स्थान पर रहे जबकि धावक अनिमेष कुजूर ने राष्ट्रीय रिकार्ड तोड़ते हुए कांस्य पदक जीता। विथ्या रामराज और पूजा ने भी अपनी-अपनी स्पधाओं में कांस्य पदक जीते। अभिनया राजराजन, स्नेहा एसएस, श्राबनी नंदा और नित्या गंधे की चौकड़ी ने महिलाओं की चार गुणा 400 मीटर रिले में सत्र के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 43.86 सेकंड के समय के साथ रजत पदक हासिल किया जो इस प्रतियोगिता में भारत का आखिरी पदक रहा। भारत का अभियान इस तरह आठ स्वर्ण, 10 रजत और छह कांस्य पदकों के साथ खत्म हुआ। भारतीय दल पिछले सत्र में 27 पदक जीते थे लेकिन जब स्वर्ण पदकों की संख्या छह थी। पारुल महिलाओं की 5000 मीटर दौड़ में 15 मिनट 15.33 सेकंड (15:15.33 सेकंड) का समय लेकर दूसरे स्थान पर रहीं। उन्होंने इससे पहले 3000 मीटर मीटर स्टीपलचेज में भी रजत पदक जीता था। पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा में उभरते सितारे 25 वर्षीय यादव ने व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 85.16 मीटर तक भाला फेंका।वह मौजूदा ओलंपिक चैंपियन अरशद नदीम से पीछे रहे, जिन्होंने 86.40 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ स्वर्ण पदक जीता। उत्तर प्रदेश में बागपत के निकट खेकड़ा गांव के एक किसान परिवार में जन्में यादव का इससे पहले व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 84.39 मीटर था। इस स्पर्धा में भाग ले रहे भारत के एक अन्य खिलाड़ी यशवीर सिंह ने भी प्रभावित किया तथा 82.57 मीटर का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए पांचवां स्थान हासिल किया।

इंडिगो की होगी नई फ्लाइट सर्विस की शुरूआत

(एजेन्सी)।
एयरलाइन इंडिगो सितंबर के मध्य से दिल्ली और जोरहाट के बीच नॉन स्टॉप उड़ान शुरू करेगी। इंडिगो ने असम से अन्य स्थानों तक हवाई संपर्क को मजबूत करने के उद्देश्य से योजना भी बनाई है। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने ये जानकारी दी है।

सरमा ने बताया कि किफायती एयरलाइन इंडिगो सितंबर से दिल्ली व जोरहाट के बीच नॉन-स्टॉप उड़ान शुरू करेगी। उसने राज्य के अन्य स्थानों के लिए हवाई संपर्क बढ़ाने की योजना बनाई है। उन्होंने कहा कि हाल ही में नई दिल्ली की अपनी यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री ने एयरलाइन के वरिष्ठ प्रबंधन से मुलाकात की थी और उनसे असम के अन्य प्रमुख स्थानों, विशेष रूप से सिलचर, डिब्रूगढ़ और उत्तरी लखीमपुर तक हवाई संपर्क का विस्तार करने का आग्रह किया था। मुख्यमंत्री ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, "सितंबर 2025 से नई दिल्ली-जोरहाट सीधी उड़ान- असम में हवाई संपर्क के विस्तार के लिए उनके रोडमैप पर चर्चा करने के लिए नई दिल्ली में @IndiGo6E के नेतृत्व से मिलना खुशी की बात थी।" उन्होंने कहा, "मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि @IndiGo6E सितंबर 2025 के मध्य से दिल्ली और जोरहाट के बीच नॉन-स्टॉप उड़ान शुरू करेगा।"

एयरलाइन के प्रबंधन के साथ अपनी बैठक पर संतोष व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इंडिगो ने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है और आगामी तैनाती के बारे में जानकारी साझा की है। उन्होंने कहा कि दिल्ली-डिब्रूगढ़ उड़ान में अब गुवाहाटी में एक स्टॉपओवर शामिल होगा, जो "असम की दो राजधानियों के बीच सुबह की कनेक्टिविटी प्रदान करेगा"। सरमा ने कहा कि यात्रियों की लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरा करते हुए कम लागत वाली एयरलाइन अपनी समय-सारिणी में बदलाव करेगी और सुबह की गुवाहाटी-सिलचर उड़ान शुरू करेगी।

8वीं में फेल और 10वीं सप्लीमेंट्री, आज एक्टिंग के बादशाह है आर माधवन

(एजेन्सी)। बॉलीवुड अभिनेता आर माधवन 01 जून को अपना 55वां जन्मदिन मनाया। उन्होंने अपने फिल्मी करियर में अब तक कई हिट फिल्में दी हैं। वहीं अभिनेता की जिंदगी भी किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं है। 8वीं फेल और 10वीं में सप्लीमेंट्री लेने वाले आर माधवन विदेशों में भी नौकरी कर चुके हैं। इसके अलावा वह इंग्लैंड की रॉयल आर्मी का भी हिस्सा रहे हैं। तो आइए जानते हैं उनके बर्थडे के मौके पर अभिनेता आर माधवन के जीवन से जुड़ी कुछ रोचक बातों के बारे में... झारखंड में 01 जून 1970 को रंगनाथन माधवन का जन्म हुआ था। उनके पिता का नाम आर अयंगर और उनकी मां का नाम आर सरोजा था। वह एक तमिल परिवार से ताल्लुक रखते थे। वहीं 18 साल की उम्र में आर माधवन के कॉलेज ने उनको कनाडा में सांस्कृतिक राजदूर के रूप में भारत का प्रतिनिधित्व करने की जिम्मेदारी सौंपी। वहीं एक साल बाद माधवन और उनके कॉलेज के तीन अन्य लोगों को सेना के कैडेट के तौर पर ब्रिटेन भेजा गया। जहां पर उन्होंने नौसेना, शाही सेना और वायु सेना में प्रशिक्षण प्राप्त किया था। वहीं सार्वजनिक भाषण पर उनकी मुलाकात एयर होस्टेस सरिता से मुलाकात हुई। जिसके बाद दोनों में दोस्ती हुई और फिर यह दोस्ती प्यार में बदल गई। वहीं करीब 7 साल बाद माधवन और सरिता ने शादी कर ली। कपल का एक बेटा वेदांत है। आर माधवन ने अपने फिल्मी करियर की शुरूआत साल 1997 में की थी। इसके बाद वह कई टीवी शो में नजर आए थे।

माता-पिता की सेवा से बढ़कर कोई धर्म नहीं: बीएल वर्मा

श्रवण कुमार सम्मान समारोह समाज को नई दिशा देगा-महेश चन्द्र गुप्ता

एसबी ब्यूरो प्रमुख/इंतजार हुसैन

बदायूं। लोकमाता अहिल्याबाई होलकर की 300वीं जयंती के उपलक्ष्य में हरिबोल सेवा समिति बदायूं के तत्वाधान में "श्री श्रवण कुमार सम्मान समारोह" का आयोजन किया गया। जिसमें बदायूं विधानसभा के 60 लोग जिन्होंने अपने माता- पिता के लिए त्याग, तपस्या और विशेष सेवा की है, ऐसे लोगों को मंच पर बुलाकर श्री श्रवण कुमार सम्मान दिया गया।

मुख्य अतिथि केंद्रीय राज्यमंत्री बीएल वर्मा ने कहा हरिबोल सेवा समिति को हेमलेट वितरण और श्रवण कुमार सम्मान कार्यक्रम करने के लिए बधाई। हरीबोल सेवा समिति सामाजिक क्षेत्र में बहुत अनूठे व अकल्पनीय कार्य कर रही है। श्रवण कुमार का उदाहरण देते हुए कहा कि माता-पिता की सेवा से बढ़कर कोई धर्म नहीं है। उन्होंने कहा कि माता-पिता ही संतान के लिए चारों धाम हैं। लोकमाता अहिल्याबाई ने गरीबों, शोषितों और वंचितों के लिए कार्य किया उसी प्रकार पीएम नरेंद्र मोदी गरीब कल्याण के लिए कर रही है।

पीएम नरेन्द्र मोदी 140 करोड़ देशवासियों के लिए कल्याण के लिए कार्य कर रहे हैं। इस देश में एक भी व्यक्ति भूखा नहीं सो सकता, ये पीएम मोदी का दृढ़ संकल्प है। मोदी सरकार महिला सशक्तिकरण के लिए अनूठे कार्यक्रम चला रही है। पूर्व राज्यमंत्री व सदर विधायक महेश चन्द्र गुप्ता ने कहा मेरे मन में भाव आया जिन्होंने अपने माता पिता के लिए त्याग, तपस्या और सेवा की है ऐसे लोगों का सम्मान करू ताकि आने वाली युवा पीढ़ियां अपने माता पिता की सेवा करें। जिन लोगों ने अपने माता पिता और गुरुओं का सम्मान किया वे लोग सदैव समाज में अलग पहचान बनाते हैं। हरिबोल सेवा समिति सदैव समाज की भलाई और जनकल्याण के लिए कार्य करेगी। हरिबोल सेवा समिति का उद्देश्य सिर्फ सम्मान देना ही नहीं, बल्कि समाज को एक संदेश देना है कि बुढ़ापे में माता-पिता को बच्चों के प्यार और देखभाल की सबसे ज्यादा जरुरत होती है। जिन्होंने माता पिता की सेवा की है उन्हें आज श्रवण कुमार सम्मान देना समाज को नई दिशा देगा। जिलाध्यक्ष राजीव कुमार गुप्ता ने कहा जनसेवा का प्रकल्प केन्द्रीय राज्य बीएल वर्मा, सदर विधायक महेश चन्द्र गुप्ता ने शुरू किया है इसके लिए वे बधाई के पात्र हैं। श्रवण कुमार सम्मान बदायूं का अनूठा कार्यक्रम है जो प्रेरणादाई है। भाजपा ने लोकमाता अहिल्याबाई के लिए दस दिन लगातार कार्यक्रम किए जिसकी गूंज जन-जन तक पहुंच चुकी है। भाजपा सरकार में अहिल्याबाई की झलक साफ दिखाई देती है।

प्रदेश मंत्री डीपी भारती ने कहा सदर विधायक महेश चन्द्र गुप्ता ने श्रवण कुमार सम्मान की पहल करना बहुत अद्वितीय व अनूठा है। हर माता पिता की संतान श्रवण कुमार होती है, समाज में सभी लोग माता पिता की सेवा नहीं कर पाते, और जो सेवा कर पाते उन पर ईश्वरीय शक्ति होती है। हर व्यक्ति को आगे आकार अपने माता पिता से सेवा करनी चाहिए। हम सभी लोग माता पिता की सेवा करके समाज की रचना करें तो बेहतर होगा।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे नरेंद्र मोहन पाल ने पीएम नरेंद्र मोदी और सीएम योगी ने अहिल्याबाई विचारों को जन-जन का पहुंचाने का कार्य किया है। पूरा पाल समाज सदैव मोदी- योगी के साथ खड़ा रहेगा।

60 लोगों को मिला श्री श्रवण कुमार सम्मान: अरुण प्रधान, अक्षत अशेष, अमित पाठक, सुमित रस्तोगी, अवधेश पटेल, अशोक भारती, सत्यदेव यादव, भारत नारंग, सुरेंद्र अमरनाथ, राजेश नानक, राजेश बजाज, कृष्ण मौर्य, लव रस्तोगी, योगेश द्विवेदी, अशोक खुराना, मनोज सिंघल, शुभम सक्सेना, राहुल सक्सेना, अमृतलाल, मुनीश अग्रवाल, अनिल शर्मा, केवी सिंह, रामपाल, नरेंद्र पाल, हरवंश पाल, हिमांशू, आशीष रोहेल, सलिल गुप्ता, सजल वैश्य, तरुण सक्सेना, सर्वेश कुमार, हिमांशू शर्मा, आलोक पाठक, देवेश सक्सेना, दीक्षा, सनोज सिंह राठौर, संजीव गुप्ता, श्रीकृष्ण, नेतराम, अनुज सक्सेना, आर्येंद्र सक्सेना, राधेश्याम, रूपकिशोर कठेरिया, लज्जाराम कठेरिया, साहब सिंह, सलल वैश्य, चाँद खां, लाला प्रधान, सिराज, प्रतिभा गुप्ता, संजीव गुप्ता आदि।

महिला संवाद कार्यक्रम में महिलाओं से मिले 22 हजार 372 सुझाव

एसबी ब्यूरो प्रमुख/मृगांक शेखर सिंह

जमुई। बिहार राज्य में 18 अप्रैल 2025 से राज्य के सभी जिलों में महिला संवाद कार्यक्रम की शुरूआत की गई है, जो जमुई जिले में 15 जून 2025 तक चलेगा। जमुई जिले के कुल 1245 ग्राम संगठनों में इस कार्यक्रम का आयोजन किया जाना है, जिसमें अभी तक कुल 979 ग्राम संगठन में इसका आयोजन किया जा चुका है। संवाद कार्यक्रम के 45वें दिन तक महिलाओं के द्वारा कुल 22 हजार 372 सुझाव प्राप्त हुए। महिलाओं के द्वारा मिले सुझाव को संवाद पोर्टल पर डाला गया है। जिला स्तर की समस्यओं के निवारण हेतु जिला पदाधिकारी के द्वारा सम्बंधित विभाग को भेजा जा रहा है।

रविवार 1 जून को चकाई, जमुई सदर, लक्ष्मीपुर, खैरा, सिकंदरा, सोनो, ई.अलीगंज एवं झाझा प्रखंड अंतर्गत 22 गाँव में सुबह-शाम दो पाली में कार्यक्रम आयोजित किये गये। सभी गाँव के चयनित सभा स्थल पर 200 से 300 महिलाएं कार्यक्रम में शामिल हुईं। कार्यक्रम की शुरूआत महिला संवाद के उद्देश्यों पर चर्चा के साथ हुई। इसके पश्चात संवाद रथ के माध्यम से 45 मिनट वीडियो दिखाया गया, जिसमें बिहार सरकार द्वारा महिलाओं के सशक्तिकरण हेतु चलाई जा रही महत्वाकांक्षी योजनाओं जैसे-महिला आरक्षण, जीविका, नशामुक्ति, बाल विवाह और दहेज उन्मूलन अभियान, मुख्यमंत्री मेधावृत्ति योजना एवं बालिका पोशाक योजना आदि के बारे के दिखाया गया।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री का संदेश पत्र और योजनाओं से संकलित लीफलेट का वितरण भी किया गया। महिलाओं को मुख्यमंत्री का संदेश पत्र पढ़कर सुनाया गया, जिससे वे राज्य सरकार के द्वारा किये जा रहे प्रयासों से सीधे तौर पर जुड़ सके। अब तक जिले में आयोजित संवाद कार्यक्रमों के माध्यम से डेढ़ लाख से अधिक महिलाओं के बीच मुख्यमंत्री संदेश पत्र एवं योजनाओं से संकलित लीफलेट का वितरण किया जा चुका है।

इस दौरान योजना की लाभुक महिलाओं के द्वारा अनुभव साझा किया है, जो अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणा बनी। संवाद कार्यक्रम में महिलाएँ, बाल विवाह रोकथाम, दहेज मुक्त विवाह के लिए सामूहिक रूप से शपथ ले रही हैं। बच्चों की शिक्षा, उनके सर्वांगीण विकास को लेकर संकल्प ले रही हैं। महिला संवाद कार्यक्रम, महिलाओं को प्रेरित करने का सशक्त माध्यम बन रहा है। कार्यक्रम में पंचायत आयोजन दल एवं जीविका के कर्मी विभिन्न पंचायतों में उपस्थित रहे और महिलाओं को योजनाओं से अवगत कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

उल्लेखनीय है की राज्य के विकास में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से ग्रामीण विकास विभाग, बिहार सरकार द्वारा संचालित महिला संवाद कार्यक्रम का आयोजन राज्य के सभी जिलों में किया जा रहा है। जमुई जिले में आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाओं की सहभागिता देखी जा रही है।

महिला संवाद का मुख्य उद्देश्य महिलाओं की भागीदारी को राज्य की विकास नीतियों में समाहित करना है, ताकि नीति-निर्माण में उनकी आवाज और अपेक्षाओं को उचित स्थान मिल सके।

पुलिस क्यों नहीं तोड़ पा रही हरियाणा में नशा तस्करों का नेटवर्क: कुमारी सैलजा

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

चंडीगढ़। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि हरियाणा में नशा तस्करों का नेटवर्क लगातार फैलता जा रहा है. समूचे राज्य में नशा तस्कर हेरोइन, गांजा, अफीम व अन्य प्रकार के जानलेवा नशा की सप्लाई करने में जुटे हैं। नशा तस्करों के बढ़ते और फैलते नेटवर्क के चलते ऐसा जान पड़ता है जैसे हरियाणा उनका पसंदीदा राज्य बन गया हो। आखिर पुलिस नशा तस्करों का नेटवर्क क्यों नहीं तोड़ पा रही है, जब लोगों को पता है कि नशा कहां-कहां बिक रहा है और कौन बेच रहा है तो पुलिस विभाग को इसी भनक क्यों नहीं लग पा रही है।

मीडिया को जारी बयान में सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार नशा तस्करों की कमर तोड़ने और करोडो रुपये के नशीले पदार्थ बरामद करने का दावा कर रही है बावजूद इसके तस्करों का नेटवर्क प्रदेश में तेजी से फैल रहा है। प्रदेश में नशे की गूंज हर चौक चौराहे, विधानसभा सदन तक सुनाई देती है। पुलिस को नशा तस्करों का किला ध्वस्त करने के लिए और जो युवा नशा कर रहे है उन्हें समाज की मुख्यधारा में शामिल करने की दिशा में युद्ध स्तर पर काम करना चाहिए। प्रदेश के अधिकतर जिलों में नशा तस्कर सक्रिय हैं। उनके आगे खुफिया तंत्र भी बौना साबित हो रहा है। सच तो ये है नशा करने वालों की संख्या बढ़ रही है उसी हिसाब से नशे की मांग बढ़ रही है, नशा की पूर्ति के लिए नशेडी कोई भी कीमत देने को तैयार है, जिसके लिए वह अपराध तक करने लगा है। ऐसे में नशे की रोकथाम के लिए सरकार को साम-दाम दंड भेद सब कुछ अपनाने होंगे क्योंकि युवा सुरक्षित है तो देश का भविष्य सुरक्षित है। सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि है पुलिस अभी तक सही ढंग से नशा तस्करों और उनके रूट की पहचान तक नही कर पाई है अगर उसने रूट की पहचान कर ली है तो प्रदेश में नशा कहां से आ रहा है। पाकिस्तान से नशा सबसे पहले पंजाब पहुंचता है और पंजाब से अन्य राज्यों की ओर भेजा जाता है। पंजाब सीमा से सटा सिरसा और फतेहाबाद जिला सबसे ज्यादा प्रभावित है। राजस्थान से नशे की खेप रेवाडी पहुंचती है जहां से एनसीआर में नशा पहुंचाया जाता है।

पंजाब से नशे की बड़ी खेप दिल्ली और दिल्ली से प्रदेश के दूसरे जिलों में भेजी जाती है, जब आम आदमी को इस रूट के बारे में जानकारी है तो पुलिस विभाग को इसी भनक तक क्यों नहीं लग पा रही है। क्या हमारा खुफिया तंत्र कमजोर है या खुफिया तंत्र जो रिपोर्ट भेज रहा है उस पर कार्रवाई नहीं हो रही है, कोई नशा तस्कर चंगुल में फंस गया तो वह पुलिस के लिए सफलता बन जाता है। अगर पुलिस नशा पीड़ितों परिवारों से मिले तो बहुत कुछ उसके हाथ लग सकता है। पुलिस जिन गांवों में नशा मुक्त घोषित कर चुकी है पता चला वहां पर आज भी नशे का धंधा हो रहा है।

बृज विहार कॉलोनी स्थित संत निरंकारी सत्संग भवन में आध्यात्मिक बाल समागम का आयोजन

संजना भारती संवाददाता

टोंक। बृज विहार कॉलोनी स्थित संत निरंकारी सत्संग भवन में आध्यात्मिक बाल समागम में छोटे नन्हे-मुन्ने बच्चों ने अपनी पढ़ाई के साथ योग्यतानुसार भजन, गीत, इंग्लिश विचार, कविता, कव्वाली गजल कवि दरबार आदि सांस्कृतिक और भक्तिभरे प्रोग्रामो के द्वारा अपनी प्रस्तुति दी और सभी का मन मोह लिया।

हर उम्र के बच्चों ने इस बाल समागम में अनेकों भाषाओं में भक्तिभरी सुंदर प्रस्तुति दी। मुख्य मंच से सभी श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए सावित्री बजाज ने कहा कि बच्चे ही कल का भविष्य है इसलिए इनका संस्कारवान होना जरूरी है। आज हम देख रहे है कि बच्चे गलत राह की तरफ जा रहे है, सोशल मीडिया और नशे की गंदी आदत से अपना जीवन खराब कर रहे है। इसलिए जरूरी है कि बचपन से ही बच्चें मानवता के प्रति दृढ़ संकल्प ले। बच्चे जहाँ अपनी पढ़ाई अच्छे से करें साथ ही इंसानियत को भी मजबूत करते चले जायें। अपने से पहले मानवजाति के लिये सोचे। दूसरों को नुकसान पहुँचाकर नही बल्कि दूसरों को खुशी देकर खुश रहें, हर एक से मिलवर्तन वाली भावना बने। बच्चें कोरे कागज की तरह होते है इन्हें सद्गुणों से युक्त एक आदर्श जीवन जीने की प्रेरणा दे।

निरंकारी बाबा हरदेवसिंह जी महाराज ने कहा है कि भक्ति किसी उम्र की मोहताज नही है। हर उम्र में भक्ति की जा सकती है। हम अक्सर सुनते है कि भक्त प्रहलाद, भक्त ध्रुव ने अपने बचपन से ही भक्ति की मिसाल पेश की। हम सभी का दायित्व है कि बच्चों में ऐसे गुणों का संचार करे जिससे वे मानवीय मूल्यों को समझकर सभी के लिये प्रेरणा का स्रोत बने।

खानपुर अपर थानाध्यक्ष पुलिस चौधरी को मिली एक बड़ी सफलता

78 बोतल विदेशी वीयर शराब व एक मोटर साइकिल के साथ शराब कारोबारी गिरफ्तार

संजना भारती संवाददाता
अर्जुन कुमार झा

समस्तीपुर। खानपुर अपर थानाध्यक्ष पुलिस चौधरी ने पुलिस फोर्स के साथ दिवा गस्ती कर रहे थे कि उसी समय दूरभाष पर सूचना मिला कि दौरान समस्तीपुर मुख्य पथ से सिरोपट्टी गाँव के समीप से दो युवक एक मोटर साइकिल पर अधिक मात्रा में विदेशी शराब लेकर जाने की सूचना मिला।

सूचना मिलते ही अपर थानाध्यक्ष पुलिस चौधरी ने पुलिस फोर्स के साथ थाना क्षेत्र के मसीना कोठी के गाछी के पास वाहन चेकिंग करने लगे। उसी समय दो युवक एक मोटर साइकिल से बड़ा झोला भरा हुआ सिरोपट्टी गांव के समीप आ रहा था। मोटर साइकिल सवार दोनों युवक को रुकने का इशारा किया गया तो दोनों युवक ने मोटर साइकिल सड़क पर उल्टा कर शराब से भरा हुआ झोला लेकर भागने लगा। जिसे अपर थानाध्यक्ष पुलिस चौधरी ने फोर्स के सहयोग से खदेड़ने लगे।खदेड़ने के दौरान एक युवक को शराब से भरा हुआ झोला के साथ अपर थानाध्यक्ष पुलिस चौधरी ने पकड़ लिया। तथा दूसरा यवक ने शराब से भरा हुआ झोला फेक कर भागने में सफल रहा।वही बरामद दोनों झोला की तलासी किया गया तो दोनों बड़ा झोला में 78 बोतल विदेशी वीयर शराब रखे हुये था। तथा बरामद शराब की कुल मात्रा 39 लीटर था।

वही विदेशी वीयर शराब बरामद के साथ एक मोटर साइकिल व एक शराब कारोबारी युवक को गिरफ्तार करने में अपर थानाध्यक्ष पुलिस चौधरी को बड़ी सफलता मिली है। बरामद शराब व मोटर साईकिल को जप्ती सूची बना कर थाना लाया गया है। वही शराब के साथ गिरफ्तार एक युवक के बारे में पूछने पर अपर थानाध्यक्ष पुलिस चौधरी ने बताया कि वाहन चेकिंग के दौरान गुप्त सूचना मिल थी कि (1) संजीव कुमार पिता सिकंदर शर्मा ग्राम-शोभन थाना खानपुर व (2) अवकाश कुमार पिता उपेंद्र महतो ग्राम मसीना थाना खानपुर के द्वारा विदेशी शराब की बिक्री धड़ल्ले से किया जा रहा है। खुपिया तंत्र के माध्यम से समस्तीपुर बहेरी मुख्य सड़क से सिरोपट्टी गाँव की ओर आने की सूचना मिला।

सूचना मिलते ही त्वरित कार्रवाई करते हुए समस्तीपुर बहेरी मुख्य पथ के समीप मसीना कोठी गाछी के पास वाहन चेकिंग किया गया। वाहन चेकिंग के दौरान एक मोटर साइकिल पर सवार दो युवक आ रहा था। पुलिस को वाहन चेकिंग करते देख दोनों युवक ने उक्त मोटर साइकिल को छोड़ दोनों युवक ने भरा हुआ झोला लेकर भगने लगा। जिसे खदेड़ कर विदेशी वीयर शराब के साथ एक युवक को गिरफ्तार करने में सफलता मिला। वही दूसरा युवक भरा हुआ झोला फेक कर भागने में सफल रहा।तथा भागने में सफल शराब कारोबारी युवक की पहचान कर लिया गया है। जो मसीना निवासी उपेंद्र महतो के पुत्र अवकाश कुमार के रूप में पहचान किया गया है। जिसकी गिरफ्तारी के लिये छापामारी किया जा रहा है।

वही गिरफ्तार शराब कारोबारी (1) संजीव कुमार पिता सिकंदर शर्मा (2) अवकाश कुमार पिता उपेंद्र महतो के विरूद्व उत्पाद व मद्य निषेद्य अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कर गिरफ्तार एक शराब कारोबारी को जेल भेज दिया गया है। वही भागने में सफल शराब कारोबारी अवकाश कुमार पिता उपेंद्र महतो ग्राम मसीना को गिरफ्तारी के लिये छापामारी की जा रही है।

8वां अखिल भारतीय कवि सम्मेलन की तैयारी जोरों पर

एसबी ब्यूरो

बेगूसराय। काव्य हिन्दुस्तान अंतरराष्ट्रीय साहित्य समूह एक बार और चला (पटना-बिहार हिन्दी साहित्य सम्मेलन)की ओर दिनांक - 29.6.2025 को आठवां ऑफलाइन कवि सम्मेलन पौधा वितरण, सम्मान समारोह की और समूह द्वारा भव्य राष्ट्रीय कवि सम्मेलन, सम्मान समारोह, पौधा वितरण, 29 जून 2025 बिहार हिन्दी साहित्य सम्मेलन पटना में आयोजित किया जा रहा है। इसमें आने वाले आमंत्रित वरिष्ठ साहित्यकार एवं कार्यक्रम अध्यक्ष डॉ. अनिल सुलभ पटना से पधार रहे हैं। संस्था की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं संस्थापिका रेखा शर्मा 'स्नेहा' ने देश-विदेश से साहित्यकारों का आह्वान किया है। इसमें देश के बहुत सारे साहित्यकारों की स्वीकृति प्रदान हुई है।यह संस्था द्वारा आयोजित आठवां अखिल भारतीय कवि सम्मेलन सम्मान समारोह आयोजित होगा। इस कार्यक्रम की व्यवस्था विभा रानी श्रीवास्तव द्वारा संपन्न होगी। संस्थापिका एंव राष्ट्रीय अध्यक्ष रेखा शर्मा 'स्नेहा' ने आप सभी साहित्यकारों का हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन किया है। इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आप रेखा शर्मा 'स्नेहा' से संपर्क कर सकते हैं। 8809523081

खानपुर थाना के अपर थानाध्यक्ष पुलिस चौधरी ने बिहार मद्य निषेद्य एवं उत्पाद अधिनियम के तहत थाना कांड संख्या-113/2025 के नामजद प्राथमिकी अभियुक्त को किया गिरफ्तार

गिरफ्तार शराब कारोबारी अभियुक्त को भेजा जेल

संजना भारती संवाददाता
अर्जुन कुमार झा

समस्तीपुर। खानपुर थाना के अपर थानाध्यक्ष पुलिस चौधरी ने बीती रात पुलिस फोर्स के साथ गुप्त सूचना के आधार पर ग्राम एकता चौक खानपुर में छापामारी कर अवैध रूप से शराब कारोबार करने के विरूद्व खानपुर थाना कांड संख्या-113/2025 में फरार चल रहे नामजद प्राथमिकी अभियुक्त ललन कुमार पिता दिनेश दास ग्राम एकता चौक खानपुर को गिरफ्तार कर थाना लाया गया।वही बताते चले कि गिरफ्तार शराब कारोबारी अभियुक्त के बारे में पूछने पर अपर थानाध्यक्ष पुलिस चौधरी ने बताया कि अवैध शराब कारोबार करने के विरूद्व खानपुर थाना कांड संख्या-113/2025 के नामजद प्राथमिकी अभियुक्त ललन कुमार पिता दिनेश दास ग्राम एकता चौक खानपुर- थाना खानपुर ने कई महीनों से घर छोड़ कर फरार चल रहा था। जिसे बीती रात गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस फोर्स के सहयोग से छापामारी क्रम में गिरफ्तार कर थाना लाया गया। तथा गिरफ्तारी कागजात तैयार कर गिरफ्तार नामजद प्राथमिकी अभियुक्त ललन कुमार पिता दिनेश दास को पुलिस पदाधिकारी व चौकीदार के उचित अभिरक्षा में सरकारी वाहन से उपस्थापन हेतु माननीय न्यायालय समस्तीपुर भेजा गया है।

अंतरराष्ट्रीय संग्रहालय दिवस पर आयोजित चित्रांकन प्रतियोगिता में स्कूली बच्चों ने दिखाई अपनी कला प्रतिभा

एसबी ब्यूरो प्रमुख/डॉ. संजय

हाजीपुर। ऐतिहासिक गांधी आश्रम परिसर में अन्तरराष्ट्रीय संग्रहालय दिवस के अवसर पर कला, संस्कृति एवं युवा विभाग, संग्रहालय निदेशालय के दीपनारायण सिंह संग्रहालय, हाजीपुर द्वारा शनिवार को विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों के लिए संग्रहालय भ्रमण एवं गाँधी स्मारक पुस्तकालय के सभागार में 'हमारी विरासत' चित्रांकन प्रतियोगिता आयोजित हुई जिसमें स्थानीय रामप्रताप सिंह मेमोरियल स्कूल, आर. के. मिशन पब्लिक स्कूल, आर्यन स्कूल ऑफ साइंस, होराइजन अ बोर्डिंग स्कूल तथा शाइन सिटी स्कूल के 100 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया। विद्यार्थियों ने गौतम बुद्ध, लाल किला, ताजमहल, चारमीनार, गोलघर, लोटस टेम्पल, इंडिया गेट, आदि के चित्रों के माध्यम से अपनी कला कौशल का प्रदर्शन किया।

प्रतियोगिता में आर. के. मिशन पब्लिक स्कूल की छात्रा अस्तुति रॉय को प्रथम, आर्यन स्कूल ऑफ साइंस की छात्रा आरुषी कुमारी को द्वितीय, रामप्रताप सिंह मेमोरियल स्कूल की छात्रा गोल्डी कुमारी को तृतीय तथा रामप्रताप सिंह मेमोरियल स्कूल की रुपाली शर्मा, दीपा कुमारी, आर्यन राज, गुंजन कुमार, सत्यम राज, आर. के. मिशन पब्लिक स्कूल की पूजा आशीष, सोनम सुप्रिया तथा होराइजन अ बोर्डिंग स्कूल की छात्रा सोनाली कुमारी को सांत्वना पुरस्कार दीपनारायण सिंह संग्रहालय, हाजीपुर के सहायक संग्रहालयाध्यक्ष, डॉ. विमल तिवारी के द्वारा प्रदान किया गया।

डॉ. विमल तिवारी ने इस कार्यक्रम के आयोजन की प्रासंगिकता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को संग्रहालय से जोड़ना तथा अपने विरासत से परिचित कराना है। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे अपने परिचितों एवं आस-पड़ोस के लोगों को भी संग्रहालय भ्रमण के लिए प्रेरित करें।

कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षक, स्थानीय जनमानस सहित संग्रहालय कर्मी, संदीप कुमार सिंह, परमेश्वर महतो, मुन्ना रावत, आदि उपस्थित रहे।

जरूरतमंद महिला को दिया गया सिलाई मशीन

संजना भारती संवाददाता

सिवान। जिले के गोरेयाकोठी गांव के रहने वाले और गुजरात के बड़ोदरा में श्रीवास्तव ब्रदर्स ग्रुप के संस्थापक सिद्धार्थ श्रीवास्तव और अंकुर श्रीवास्तव ने अपने मांझपिता जी के शादी की 47वीं सालगिरह के अवसर पर एक जरूरतमंद महिला को सिलाई मशीन दिया। इस दौरान सिद्धार्थ श्रीवास्तव ने बताया कि ऑक्सीजन मैन गौरव राय की प्रेरणा से श्रीवास्तव ब्रदर्स के कार्यालय में अनामिका कुमारी को सिलाई मशीन दिया गया। जिससे वे अपना स्टार्टप कर सकें। इस दौरान अंकुर श्रीवास्तव, डा. प्रेमशंकर दत्ता, दीनबंधु सिंह व नागेंद्र श्रीवास्तव मौजूद थे।

आमजन की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर किया जा रहा है समाधान: हरविन्द्र कल्याण

'हर छोटी बड़ी समस्या का समाधान निकालना हमारा लक्ष्य'

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। हरियाणा विधानसभा के अध्यक्ष एवं घरौंडा के विधायक हरविन्द्र कल्याण ने रविवार को अपने निवास स्थान कल्याण फार्म पर आमजन की समस्याएं सुनीं तथा मौके पर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

इस मौके पर हरविन्द्र कल्याण ने कहा कि आमजन की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जा रहा है और पंक्ति में खड़े अंतिम व्यक्ति को योजनाओं का लाभ मिले इस पर कार्य किया जा रहा है। जनता के लिए उनके द्वार 24 घंटे खुले हैं तथा घरौंडा हलके का विकास उनकी प्राथमिकता है। आने वाले समय में न केवल लंबित कार्यों को पूरा कराया जाएगा बल्कि लोगों की जरूरत अनुसार विकास के नए प्रोजेक्ट भी शुरू किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि

क्षेत्र में विकास कार्य तेज गति से आगे बढ़ रहे हैं। वह स्वयं समय-समय पर इनकी मॉनिटरिंग करते हैं, क्षेत्र की जनता को अधिक से अधिक विकास परियोजनाओं की सौगात मिले, इसको लेकर वे निरंतर प्रयासरत हैं।

हरियाणा विधानसभा के अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण क्षेत्र की विभिन्न समस्या और मांग लेकर आए लोगों से मिले और उनकी प्रत्येक मांग को गंभीरता से सुनने के बाद अमल में लाने के अधिकारियों को निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि एक जनप्रतिनिधि पर राजनीति से ऊपर उठकर सभी के भले में काम करके उनको सुविधाएं देने की जिम्मेवारी होती है ताकि मिली जिम्मेवारी समाज हित में काम आए। उन्होंने कहा क्षेत्र में किसी की भी समस्या छोटी हो या बड़ी जब तक उसको समाधान तक नहीं ले जाया जाता तब तक हमारा लक्ष्य पूरा नहीं होता। हमे लगातार उसके समाधान के प्रयत्न करने चाहिए।

सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार के लिए 31 जुलाई तक करें आवेदन: उत्तम सिंह

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। उपायुक्त उत्तम सिंह ने कहा कि गृह मंत्रालय की ओर से गणतंत्र दिवस 2026 के ऑनलाइन नामांकन करने के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं, जिसके लिए अंतिम तिथि 31 जुलाई, 2025 है।

उपायुक्त ने बताया कि नामांकन अथवा अनुशंसा केवल राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल अवार्ड.जीओवी.इन पर ऑनलाइन ही स्वीकार किए जाएंगे। नामांकन करने वाले व्यक्ति एक व्याख्यात्मक प्रशस्ति-पत्र (अधिकतम 800 शब्द) भी जिसमें अनुशंसित व्यक्ति की संबंधित क्षेत्र/विषय में विशिष्ट और अन्य उपलब्धियों/सेवाओं का स्पष्ट उल्लेख हो, प्रस्तुत किया जाए। उन्होंने बताया कि महिलाओं, समाज के कमजोर वर्गों, अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों, दिव्यांग लोगों

तथा समाज की निस्वार्थ सेवा करने वाले लोगों में से उन प्रतिभावान व्यक्तियों की पहचान के लिए मिलकर प्रयास किये जाएं, जिनकी उत्कृष्टता वास्तव में सम्मान की हकदार है। उन्होंने कहा कि पद्म पुरस्कार, अर्थात पद्म विभूषण, पद्म भूषण और पद्मश्री, देश के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कारों में से हैं। वर्ष 1954 में स्थापित इन पुरस्कारों की घोषणा हर वर्ष गणतंत्र दिवस के अवसर पर की जाती है। यह पुरस्कार कला, साहित्य और शिक्षा, खेल, चिकित्सा, सामाजिक कार्य, विज्ञान और इंजीनियरिंग, सार्वजनिक कार्य, नागरिक सेवाओं, व्यापार और उद्योग जैसे सभी क्षेत्रों/विषयों में विशिष्ट और असाधारण उपलब्धियों/सेवाओं के लिए उत्कृष्ट-कार्य को मान्यता प्रदान करने के लिए प्रदान किए जाते हैं।

जाति, व्यवसाय, पद या लैंगिक भेदभाव के बिना सभी व्यक्ति इन पुरस्कारों के लिए पात्र हैं। डॉक्टर और वैज्ञानिकों को छोडकर सार्वजनिक उपक्रमों में काम करने वाले सरकारी कर्मचारी पद्म पुरस्कार के लिए पात्र नहीं हैं। इस संबंध में और अधिक जानकारी वेबसाइट पदमा अवार्ड.जीओवी.इन पर उपलब्ध है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने काफिला रुकवाकर स्थानीय युवाओं संग खेला क्रिकेट

संजना भारती संवाददाता

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अपने गुरुग्राम दौरे के दौरान अनोखी मिसाल पेश करते हुए काफिले को बीच रास्ते रुकवाकर स्थानीय युवाओं के साथ क्रिकेट खेला। यह दृश्य उस समय सामने आया जब मुख्यमंत्री स्थानीय लेजर वैली पार्किंग में आयोजित एक राष्ट्र एक चुनाव थीम पर आधारित कार्यक्रम में शिरकत करने उपरान्त पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस की ओर जा रहे थे और राजीव चौक पर एक खुले मैदान में क्रिकेट खेलते युवाओं को देखकर उत्सुकता व्यक्त की। मुख्यमंत्री ने युवाओं के आग्रह को हर्षपूर्वक स्वीकार करते हुए बल्ला थामा और कैबिनेट मंत्री राव नरबीर सिंह, खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम तथा प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल कौशिक ने कुछ देर तक उनके साथ क्रिकेट खेला। यह क्षण जननेता की जनभावनाओं के प्रति संवेदनशीलता और जुड़ाव का सजीव प्रमाण बना। स्थानीय युवाओं ने मुख्यमंत्री की इस सहजता और उदारता की सराहना करते हुए कहा कि यह क्षण उनके जीवन का अविस्मरणीय अनुभव बन गया। मुख्यमंत्री का यह व्यवहार जनसेवा और लोकसंवाद की संस्कृति को सुदृढ़ करता है। मुख्यमंत्री ने इस दौरान युवाओं के आग्रह पर उनके साथ सेल्फी भी कराई।

भिवानी जिले को जलभराव से दिलाई जा रही मुक्ति: मंत्री श्रुति चौधरी

एसबी ब्यूरो प्रमुख/विजेश कुमार

चंडीगढ़। भिवानी जिले में जलभराव की समस्या से निजात दिलाने और किसानों को सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध कराने हेतु सिंचाई एवं जल संसाधन मंत्री श्रुति चौधरी के निर्देशानुसार विभिन्न गांवों में बहुपरियोजनात्मक कार्य शुरू किए गए हैं। गांव बापोड़ा और डिनोद में जलभराव से राहत दिलाने के लिए विशेष डिवॉटरिंग योजनाएं बनाई गई हैं, जिनके तहत गांव की आबादी क्षेत्र में भरने वाले पानी को पास की ड्रेनों में डाला जाएगा। इससे न केवल जलभराव की समस्या समाप्त होगी बल्कि जो किसान इन ड्रेनों के सहारे खेती करते हैं उन्हें सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी भी उपलब्ध होगा। गांव बापोड़ा, रामूपुरा, बलियाली, ढांघ कलां, और ढांघ खुर्द में

खेतों में खड़े पानी की समस्या को हल करने के लिए सोलर वर्टिकल ड्रेनेज सिस्टम की शुरूआत की जा रही है, जिससे जमीन की ऊपरी परत पर जमा पानी को ड्रेनों में प्रवाहित कर भूमि को कृषि योग्य बनाया जा सकेगा। रामूपुरा में खेतों के जलभराव को दूर करने हेतु पाइपलाइन के माध्यम से ड्रेनों में पानी डाला जा रहा है, जिसका कार्य शुरू हो गया है। इसके अलावा बापोड़ा से राजपुरा-खरखड़ी-सुई लिंक रोड के साथ लगती ड्रेन पर क्रैश बैरियर लगाए जा रहे हैं ताकि सड़क पर चलने वाले वाहन ड्रेन में न गिरें और दुर्घटनाओं से बचा जा सके। इसी प्रकार, गांव प्रेमनगर और मंधाना में ग्रामीणों की लंबे समय से चली आ रही मांग पर कार्यवाही करते हुए प्रेमनगर ड्रेन और सिवरा तालु लिंक ड्रेन पर पंप हाउस का निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया है। यह पंप हाउस बारिश के समय जलनिकासी को तेज गति से सुनिश्चित करेंगे।

स्वच्छता पखवाड़ा की शुरूआत

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। हरियाणा सरकार के निर्देशानुसार नगर निगम करनाल ने रविवार से ही स्वच्छता पखवाड़ा की शुरूआत कर दी है। नगर निगम आयुक्त डॉ. वैशाली शर्मा ने निगम कार्यालय के सभागार में सफाई शाखा के अधिकारियों, कर्मचारियों, ट्रीगर मास्टर, मोटीवेटर तथा सफाई दरौगाओं एवं सुपरवाईजरों को स्वच्छता शपथ दिलाई। इस अवसर पर अतिरिक्त निगम आयुक्त अशोक कुमार भी मौजूद रहे।

निगमायुक्त ने शपथ दिलाई कि हम स्वयं स्वच्छता के प्रति सजग रहेंगे और उसके लिए समय देंगे। हर वर्ष 100 घण्टे यानि हर सप्ताह 2 घण्टे श्रमदान करके स्वच्छता के संकल्प को चरितार्थ करेंगे। न गंदगी करेंगे और न ही किसी को करने देंगे। सबसे पहले स्वयं से, अपने परिवार से, मौहल्ले से, गांव/शहर से एवं कार्यस्थल से इसकी शुरूआत करेंगे। हम सभी गली-गली जाकर स्वच्छ भारत मिशन का प्रचार करेंगे। हम आज जो शपथ ले रहे हैं, वह अन्य 100 व्यक्तियों से भी करवाएंगे। वे भी हमारी तरह स्वच्छता के लिए 100 घण्टे दें, इसका प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी ने जिस भारत का सपना देखा था, उसमें सिर्फ राजनैतिक आजादी ही नहीं थी, बल्कि एक स्वच्छ एवं विकसित देश की कल्पना भी थी। महात्मा गांधी ने गुलामी की जंजीरो को तोडकर माँ भारती का आजाद करवाया। अब हमारा कर्तव्य है कि गंदगी को दूर करके भारत माता की सेवा करें। उन्होंने कहा कि दुनिया के जो भी देश स्वच्छ दिखते हैं, उसका कारण है वहां के नागरिक। वह न तो स्वयं गंदगी करते हैं और न ही होने देते हैं। उन्होंने कहा कि स्वच्छता की तरफ बढ़ाया गया हमारा एक कदम पूरे भारत देश को स्वच्छ बनाने में मदद करेगा।

21 जून तक मनाया जाएगा स्वच्छता पखवाड़ा-निगमायुक्त ने बताया कि सरकार के निर्देशानुसार 1 जून से 21 जून 2025 तक प्रदेशभर में स्वच्छता पखवाड़ा मनाया जाएगा, जिसका समापन अंतर्राष्ट्द्रीय योग दिवस पर होगा। उन्होंने बताया कि इस 21 दिवसीय स्वच्छता अभियान का उद्देश्य दैनिक विषयगत गतिविधियों के माध्यम से स्वच्छता और सार्वजनिक स्वच्छता के संदेश को तीव्र गति प्रदान करना है। इन गतिविधियों में शहरी स्थानीय निकायों, शैक्षणिक संस्थानों, निवासी कल्याण संघ, बाजार संघ, गैर सरकारी संगठनों तथा बड़े पैमाने पर आवासीय समाज सहित सक्रिय नागरिकों की भागीदारी शामिल होगी।

यह कार्यक्रम किए जाएंगे आयोजित-उन्होंने बताया कि 21 जून तक नगर निगम क्षेत्र में विभिन्न स्वच्छता गतिविधियां चलाई जाएंगी। इसके लिए सरकार की ओर से अनुसूची जारी की गई है। इनमें स्वच्छता शपथ, स्त्रोत पृथक्करण व सफाई अभियान, विश्व स्तर पर प्लास्टिक प्रदूषण को समाप्त करने के लिए प्लास्टिक बाहर-कपड़ा अंदर पर थीम आधारित अभियान चलाना, सेमीनार व प्रशिक्षण कार्यशाला, विश्व पर्यावरण दिवस, विक्रेता संघों के साथ स्वच्छ बाजार अभियान, नारी की भागीदारी, स्वच्छता से स्वास्थ्य, जल संरक्षण दिवस, नालियों से गाद निकालाना और जलभराव क्षेत्रों की सफाई, सामुदायिक भागीदारी, गऊ सेवा और सफाई, विरासत की सफाई, सी एंड डी अपशिष्ट्द प्रबंधन, प्लास्टिक से आजादी, स्वच्छ सम्मान, स्वच्छता प्रतियोगिता, सौंदर्यकरण के लिए कला प्रतिष्ठद्वानों में कचरा कलाकृतियां लगाना, सडक मरम्मत, योगा स्थल सफाई तथा बड़े स्तर पर योग और स्वच्छता जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

उपभोक्ता शिकायत निवारण बिजली अदालत में निपटाए बिजली संबंधी शिकायतें: भालोठिया

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल। उतर हरियाणा बिजली वितरण निगम कैथल के अधीक्षक अभियंता सोमबीर भालोठिया ने बताया कि बिजली उपभोक्ताओं की शिकायतों का शीघ्र निपटान के लिए, उपभोक्ता शिकायत निवारण बिजली अदालत कैथल की एक बैठक का आयोजन उनके कार्यालय के सभागार में प्रत्येक मंगलवार को सुबह 11:00 बजे से दोपहर 01:00 बजे किया जाएगा। जिसमें जून माह के लिए निर्धारित तिथि तीन, 10, 17 व 24 जून दिन मंगलवार को आयोजित होगी। इस बैठक में बिजली संबंधी समस्याओं जैसे अनुचित बिल, दोषपूर्ण मीटर, दोषपूर्ण रीडिंग, जिनका स्थानीय अधिकारियों (उपमण्डल अधिकारी व कार्यकारी अधिकारी) से मिलने उपरांत भी कोई समाधान नहीं हो पा रहा है, ऐसे सभी उपभोक्ता अपनी समस्याओं को इस बिजली अदालत के समक्ष रख सकते हैं।

हरियाणा आबकारी विभाग को तीसरे दौर की नीलामी में 2707 करोड़ रुपये के राजस्व की प्राप्ति

संजना भारती/विज्ञप्ति द्वारा

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार के आबकारी एवं कराधान विभाग द्वारा आबकारी नीति 2025-27 के अंतर्गत शराब की खुदरा दुकानों की तीसरे चरण की नीलामी सफलतापूर्वक आयोजित की गई। इस चरण में गुरुग्राम (पूर्व), करनाल, पलवल, रेवाड़ी, जींद और यमुनानगर छह जिलों की खुदरा शराब दुकानों की नीलामी कराई गई। बोलीदाताओं को 30 मई सुबह 9 बजे से 31 मई शाम 4 बजे तक बोली लगाने का अवसर दिया गया। प्रत्येक जिले में संबंधित उपायुक्त की अध्यक्षता में गठित समिति द्वारा बोलियों को खोला गया।

आबकारी आयुक्त विनय प्रताप सिंह ने बताया कि विभाग को 5 जिलों के लिए आबकारी नीलामी के तीसरे दौर में पिछले दौर की नीलामी की तुलना में अच्छी प्रतिक्रिया मिली है, जिसमें 270 जोनों में से 184 जोन आवंटित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि 184 जोनों की नीलामी प्रक्रिया में व्यापक भागीदारी राज्य की आबकारी नीति के प्रति बेहतर प्रतिक्रिया को दशार्ती है।

उन्होंने बताया कि राज्य 5 जिलों के नीलाम किए गए जोनों से लगभग 2707 करोड़ रुपये का लाइसेंस शुल्क प्राप्त करने में सक्षम रहा है, जो पिछले आबकारी नीति वर्ष में इसी दौर में प्राप्त लाइसेंस शुल्क से काफी अधिक है। जाएगी। उचित राजस्व प्राप्त करने के लिए विभाग ने आज प्राप्त हुई 3 जोनों की नीलामी को रद्द करने और यमुनानगर में सभी जोनों की नए सिरे से नीलामी करने का निर्णय लिया है। इन 6 जिलों के शेष 142 जोनों की नीलामी जून के पहले सप्ताह में फिर से की जाएगी। आबकारी एवं कराधान विभाग ने सभी जिलों के लिए नीलामी का अगला दौर 3, 4 और 5 जून को निर्धारित किया है। अगले चरण में राज्य के सभी जिलों को तीन समूहों में बांटा गया है।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र राजौंद द्वारा विश्व तंबाकू निषेध दिवस मनाया गया

कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर कीर्ति शर्मा ने की

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

राजौंद। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र राजौंद के अंतर्गत आने वाले सभी स्वास्थ्य संस्थानों एवं स्कूलों में शनिवार को वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर कीर्ति शर्मा की अध्यक्षता में विश्व तंबाकू निषेध दिवस मनाया गया। इसमें स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों व स्कूल स्टाफ ने भाग लिया।

राजौंद खंड के अंतर्गत आने वाले स्कूलों में स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं ने बच्चों को तंबाकू से होने वाले नुकसान व बीमारियों के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी। सीनियर सेकेंडरी स्कूल

राजौंद में स्वास्थ्य निरीक्षक जितेंद्र सिंह ने विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर बच्चों को तंबाकू से होने वाले रोगों के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी व सभी बच्चों को नशे से दूर रहने की शपथ दिलाई। इस अवसर पर जिला विधिक विभाग की तरफ से एडवोकेट विनय गर्ग एवं सहायक मित्र श्रीमती संगीता रानी मौजूद रहे। स्कूल की तरफ से स्कूल का स्टाफ मौजूद रहा। इस कार्यक्रम में रामनिवास, पंकज, विनोद, श्रीमती अनिता, बीना, दर्शना सहित अन्य मौजूद रहे।

अंत्योदय परिवारों के लिए वरदान साबित हो रही दयालु योजना: डीसी प्रीति

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल। डीसी कैथल प्रीति ने बताया कि दीन दयाल उपाध्याय अंत्योदय परिवार सुरक्षा योजना (दयालु) अंत्योदय परिवारों के लिए वरदान साबित हो रही है। इस योजना के तहत एक लाख 80 हजार सालाना आय वाले परिवार के सदस्य की मृत्यु या स्थाई दिव्यांगता पर आर्थिक और सामाजिक सुरक्षा प्रदान की जाती है। इस योजना के तहत विभिन्न श्रेणी में एक लाख रुपये से लेकर पांच लाख रुपये तक की आर्थिक सहायता दी जाती है।

डीसी प्रीति ने बताया कि इस योजना के तहत मृतक व्यक्ति की 6 से 60 वर्ष तक होनी चाहिए। परिवार के द्वारा मृत्यु या स्थाई दिव्यांगता की स्थिति में घटना की तिथि से तीन महीनें के भीतर आवेदन करना होगा। आयु अनुसार बात करें तो छह से 12 वर्ष तक की आयु के लिए एक लाख रुपये, 12 से 18 वर्ष तक की

उपायुक्त कैथल प्रीति।

आयु के लिए दो लाख रुपये, 18 से 25 वर्ष तक की आयु के लिए तीन लाख रुपये, 25 से 45 वर्ष तक की आयु के लिए 5 लाख रुपये तथा 45 से 60 वर्ष तक की आयु के लिए 3 लाख रुपये आर्थिक सहायता दी जाती है। इस योजना का लाभ लेने के लिए पात्र व्यक्ति की को www.dapsy.finhry.gov.in वैबसाईट पर जाकर आवेदन करना होगा। इसके बाद पीपीपी आईडी नंबर दर्ज करें और गेट ओटीपी पर क्लिक करें। ओटीपी दर्ज करने के बाद उसे सबमिट करें। इसके बाद परिवार के सदस्यों को प्रदर्शित किया जाएगा, फिर लाभार्थी आवश्यक व्यक्तिगत विवरण भरने के बाद फार्म जमा कर सकते हैं।

डीसी प्रीति ने आमजन का आह्वान किया कि ऐसी स्थिति में पात्र व्यक्ति दयालु योजना के तहत आर्थिक सहायता प्राप्त करें। एजेंटों से सावधान रहें और धोखाधड़ी से बचें।

अधिक जानकारी के लिए हैल्प लाईन नंबर 0172-2996024 तथा ई-मेल dayaluhelpline@gmail.com पर संपर्क कर सकता है।

पंचकुला के आठ वर्षीय आर्यन ने 5,364 मीटर ऊंचे माउंट एवरेस्ट बेस कैंप तक का कठिन सफर तय किया

एसबी ब्यूरो प्रमुख/विजेश कुमार

पंचकूला। पंचकुला के आठ वर्षीय आर्यन ने 5,364 मीटर ऊंचे माउंट एवरेस्ट बेस कैंप तक का कठिन सफर तय कर आज उन युवाओं को संदेश दिया जो नशे की लत में पड़कर अपनी ताकत को नष्ट कर रहे है। नन्हे आर्यन ने यह सिद्ध कर दिया कि यदि मन में मजबूत संकल्प कर ले तो कुछ भी हासिल किया जा सकता है और किसी भी गलत लत को छोड़ा भी जा सकता है। सनराइज ग्लोबल फाउंडेशन के अध्यक्ष राजेश दलाल ने बताया कि इतनी कम उम्र में इतना बड़ा काम करना बहुत बड़ी उपलब्धि है।

आर्यन की इस यात्रा की शुरूआत प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने अपने निवास स्थान कबीर कुटीर से 30 अप्रैल को झंडी दिखाकर की थी। हरियाणा के मुख्यमंत्री भी आर्यन की बहुत प्रशंसा कर चुके है। आठ वर्षीय आर्यन ने अब तक

हरियाणा की सबसे ऊंची चोटी करोह पीक, शिवालिक रेंज की ऊंची चोटी चूड़धार पीक, भृगु लेक और खारदुंगला को पार किया। आर्यन पंचकुला के रूट्स कंट्री स्कूल में चौथी कक्षा में पढ़ता है।

पत्रकार एवं संपादक महासंघ के राष्ट्रीय महासचिव डीपी वशिष्ठ ने बताया कि आर्यन की माता ममता सौदा खुद माउंट एवरेस्ट की पर्वतारोही है और उन्होंने पर्वतारोहण में अपने करियर की शुरूआत 2003 में की थी। 2010 में ममता सौदा ने माउंट एवरेस्ट पर तिरंगा लहराया पर्वतारोहण खेल के क्षेत्र में उनकी सेवाओं के लिए 2014 में उन्हें भारत सरकार द्वारा देश के चौथे सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्म श्री से सम्मानित किया गया।

ममता सौदा वर्तमान में पुलिस मुख्यालय में डीएसपी लॉ एंड ऑर्डर पर तैनात है और जिला पंचकूला में भी कई महत्वपूर्ण पदों पर अपनी सराहनीय सेवाएं दे चुकी है। सनराइज ग्लोबल फाउंडेशन के कार्यक्रम संयोजक एवं महासचिव डीपी वशिष्ठ ने माननीय मुख्यमंत्री हरियाणा सरकार से विशेष आग्रह किया कि आर्यन की इस उपलब्धि को आने वाले स्वतंत्रता दिवस पर राज्य स्तरीय कार्यक्रम में सम्मानित करे और प्रदेश के नशा मुक्ति अभियान का आर्यन को स्टेट ब्रैंड एम्बेसडर घोषित करे। इससे जहां एक और इस नन्हे बच्चे का मनोबल बढ़ेगा वहीं प्रदेश के अन्य बच्चों और युवाओं को नशे से दूर रखकर उज्जवल भविष्य बनाने की प्रेरणा मिलेगी।

आर्यन की इस अद्वितीय उपलब्धि ने हरियाणा ही नहीं बल्कि पूरे देश को गर्व से भर दिया है। 130 किलोमीटर की पैदल यात्रा तीन मई से शुरू हुई और मात्र 18 दिनों में 20 मई को समाप्त कर आर्यन ने 5,364 मीटर ऊंचे माउंट एवरेस्ट बेस कैंप पर तिरंगा लहराया दिया।

राजौंद पुलिस द्वारा अवैध देशी कट्टे व 3 कारतूस सहित आरोपी काबू

एसबी संवाददाता

कैथल। अवैध असला-अमुनेशन रखने वाले अपराधियों की धरपकड़ के लिए एसपी आस्था मोदी के निर्देशानुसार चलाई जा रही मुहिम तहत थाना राजौंद पुलिस द्वारा एक आरोपी को एक अवैध देशी कट्टे व तीन कारतूस सहित काबू कर लिया गया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि थाना राजौंद पुलिस के एचसी बिंटु की टीम को शाम के समय गश्त दौरान एक गुप्त सूचना मिली कि सौंगल निवासी विजय उर्फ बीजा देशी कट्टा पिस्टल व रौंद लिए हुए है, जो वह अपने किसी दोस्त से मिलने गांव सिसमौर गया हुआ है। सौंगल से पाई रोड़ पर निगरानी कर-

पुलिस अधीक्षक कैथल आस्था मोदी।

के उसे अवैध देशी कट्टे सहित काबु किया जा सकता है। सूचना विश्वसनीय होने कारण पुलिस द्वारा सौंगल पाई रोड़ पर निगरानी शुरू की गई। जो कुछ समय बाद सिसमौर रोड़ से ड्रैन की पटरी से पैदल आ रहे संदिग्ध विजय उर्फ बीजा उपरोक्त को काबू कर लिया गया। जांच दौरान आरोपी के कब्जे से 315 बोर अवैध देशी कट्टा तथा तीन कारतुस बरामद हुए। आरोपी के खिलाफ थाना राजौंद में शस्त्र अधिनियम तहत मामला दर्ज करके मौके पर पहुंचे एसआई पवन कुमार द्वारा आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी से व्यापक पूछताछ की जा रही है।